मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची,सोमवार, 25 मई 2026

संवत 2083, अधिक ज्येष्ठ शुक्ल 9 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 250 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ गंगा दशहरा : मां गंगा के अवतरण का महापर्व ...

राज कुमार राव की फिल्म मालिक को मिला करीना का स्पोर्ट ◀◀ 6

डबल मर्डर से कांपा इलाका

पारिवारिक विवाद में युवक ने की पत्नी और पिता की हत्या, मासूम बच्ची पर भी किया हमला

संवाददाता

लोहरदगाः जिले में सोमवार तड़के एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। भंडरा थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद इतना बढ़ गया कि एक युवक ने अपनी पत्नी और पिता की बेरहमी से हत्या कर दी। हमले में उसकी तीन वर्षीय मासूम बेटी भी गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

पत्नी को मौत के घाट उतारा, फिर पिता की भी ली जान :पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान 35 वर्षीय संदीप उरांव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि उसने पहले घर में अपनी पत्नी सुजाता उरांव (30 वर्ष) पर हमला किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद आरोपी खेत में काम कर रहे अपने पिता सुरेंद्र उरांव उर्फ कुरा (55 वर्ष) को घर बुलाकर लाया और उन पर भी जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर चोटों के कारण उनकी भी मौत हो गई।

तीन वर्षीय बेटी को भी आई चोटः घटना के दौरान आरोपी की तीन वर्षीय बेटी भी हमले की चपेट में आ गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। वारदात

सुबह करीब पांच बजे की बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में आपसी पारिवारिक कलह को घटना की मुख्य वजह माना जा रहा है। मौके पर पहुंची पुलिसः घटना की सूचना मिलते ही भंडरा थाना प्रभारी मनोज कुमार गुप्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल बच्ची को तुरंत अपनी गोद में उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंडरा पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद बच्ची की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे रिम्स रेफर कर दिया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी संदीप उरांव को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच जारी है। घटना के बाद गांव में दहशत और शोक का माहौल है।

ऑनर किलिंग : प्रेम संबंध से नाराज पिता ने बेटी को टांगी से काट डाला

पलामूः जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र में ऑनर किलिंग की घटना हुई है। बेटी के प्रेम संबंध से नाराज एक पिता ने अपनी बेटी को टांगी से काट डाला। हत्याकांड को अंजाम देने के बाद आरोपी पिता मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले में छानबीन कर रही है। वहीं, मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। दरअसल, लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के लोहरा गांव के रहने वाले अगस्त कुमार अपनी बेटी के प्रेम संबंध को लेकर नाराज थे। उन्होंने उसे मोबाइल फोन पर बात करते हुए देखा था और कुछ फोटो भी देखे थे। इस बीच रविवार देर रात अंजली सोई हुई थी, इसी क्रम में अगस्त कुमार अपनी बेटी के कमरे में पहुंचा और टांगी से काट डाला। जिससे अंजली की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, अगस्त कुमार घटना के बाद फरार हो गए। घटना के समय अंजलि का भाई और मां भी घर में मौजूद थे। घटना के बाद गांव में बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए। इधर, पुलिस की पूछताछ में ग्रमीणों ने बताया है कि पिता ने

मोबाइल में कुछ फोटो देखे थे। जिसके चलते वह अपनी बेटी से काफी नाराज थे। वहीं, घटना को लेकर लेस्लीगंज थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय ने बताया कि ऑनर किलिंग की घटना हुई है। पिता ने टांगी से बेटी की हत्या की है। पुलिस मामले में आगे की छानबीन कर रही है। घटना के बाद से आरोपी फरार है। उन्होंने बताया कि घटना में इस्तेमाल टांगी को बरामद कर लिया गया है।

एक महीने में चौथी बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

पेट्रोल 2.61 और डीजल 2.71 रुपए प्रति लीटर हुआ महंगा

नई दिल्ली : देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में सोमवार को एक बार फिर बढ़ोतरी दर्ज की गई। पेट्रोल की कीमत में 2.61 रुपए प्रति लीटर और डीजल में 2.71 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 10 दिनों में यह चौथी बार है जब ईंधन के दाम बढ़ाए गए हैं, जिससे आम जनता और खासकर मध्यम वर्ग की परेशानियां बढ़ गई हैं। बता दें कि पिछले 10 दिनों में यह चौथी बार है जब पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। कीमतों में बढ़ोतरी से आम लोगों, यात्रियों और परिवहन क्षेत्र पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है। कीमतों में बढ़ोतरी से पहले दिल्ली में पेट्रोल 99 .51 रुपए प्रति लीटर और डीजल 92 .49 रुपए प्रति लीटर बिक रहा था। लेकिन अब, राजधानी में पेट्रोल 102 .12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95 .20 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है। इससे पहले, 23 मई को कीमतों में बढ़ोतरी करते हुए सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल की कीमतें 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल की कीमतें 91 पैसे प्रति लीटर बढ़ाई थी। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में हो रही बढ़ोतरी के बीच पिछले 10 दिन में ईंधन की दरों में यह चौथी बढ़ोतरी है। 15 मई को ही सरकारी तेल कंपनियों ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण बढ़ी हुई ऊर्जा कीमतों का बोझ धीरे-धीरे ग्राहकों पर डालना शुरू किया था।

मैं पीएम मोदी का बहुत बड़ा फैन, भारत मुझ पर 100 प्रतिशत भरोसा कर सकता हैः ट्रंप

एजेंसी

नई दिल्लीः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार रात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना महान मित्र बताते हुए कहा कि भारत उन पर 100 प्रतिशत भरोसा कर सकता है। ट्रंप ने अमेरिका स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में यहां आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान यह बात फोन कॉल पर कही। यह फोन भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने ट्रंप को लगाया था।

ट्रंप ने फोन पर कहा, हम भारत के इतने करीब पहले कभी नहीं रहे और भारत मुझ पर तथा हमारे देश पर 100 फीसदी ऐतबार कर सकता है। अगर उन्हें कभी भी मदद की जरूरत होगी, तो वे जानते हैं कि कहां फोन करना है। वे सीधे यहीं फोन कर सकते हैं। यहां भारत मंडपम में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस जयशंकर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और श्री गोर शामिल हुए। गोर ने यह फोन का स्पीकर माइक पर ही लगा दिया जिससे कि हॉल में मौजूद सभी लोग श्री ट्रम्प की आवाज सुन सकें। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, मैं

बस सभी को नमस्कार कहना चाहता हूं। मैं प्रधानमंत्री से प्यार करता हूं, (नरेंद्र) मोदी महान हैं, वह मेरे मित्र हैं और मैं सभी को एक बहुत अच्छी शाम की शुभकामनाएं देना चाहता हूं। ट्रंप ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था की तारीफ करते हुए यह भी दावा किया कि उनके देश की अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार इस समय रिकॉर्ड स्तर पर हैं। इस कार्यक्रम में ट्रंप ने रुबियो को अमेरिकी इतिहास का सबसे महान विदेश मंत्री बताया और कहा, प्रधानमंत्री मोदी को मेरा नमस्कार कहें और उन्हें बताएं कि मैं उनका बहुत बड़ा प्रशंसक हूं।

इससे पहले कार्यक्रम में अपने संक्षिप्त संबोधन में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत को अमरीका का एक अत्यंत महत्वपूर्ण भागीदार बताया। विदेश मंत्री एस। जयशंकर ने अपने संबोधन में कहा कि अमेरिकी स्वतंत्रता की घोषणा ने उन विचारों को जन्म दिया जिन्होंने आधुनिक दुनिया को आकार दिया है, जैसे कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता, कानून का शासन, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जवाबदेह शासन। उन्होंने कहा कि भारत के बहुलवादी समाज और परामर्श की संस्कृति के समृद्ध इतिहास को देखते हुए इन विचारों की गूंज भारत में स्वाभाविक है। इस शाम का मुख्य आकर्षण संगीतकार ए। आर। रहमान की शानदार प्रस्तुति रही।

एनआईए की बड़ी कार्रवाई : कश्मीर में जमात-ए-इस्लामी के ठिकानों पर छापेमारी, संदिग्धों के घर खंगाल रही टीमें

एजेंसी

श्रीनगर : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी कश्मीर के खिलाफ घाटी में व्यापक अभियान चलाते हुए मध्य और दक्षिण कश्मीर के कई इलाकों में छापेमारी की। यह कार्रवाई जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को फिर से सक्रिय करने के कथित प्रयासों की जांच के तहत की गई। एनआईए की टीमों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस और अर्धसैनिक बलों के सहयोग से श्रीनगर के लाल बाजार और दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के विभिन्न स्थानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान शोपियां के जैनापोरा स्थित मुलू चित्रगाम इलाके में एक व्यक्ति के घर की भी

तलाशी ली गई।

सूत्रों के अनुसार, संबंधित व्यक्ति कथित तौर पर जमात-ए-इस्लामी से जुड़ा रहा है और शोपियां जिले का अमीर-ए-जमात भी रह चुका है। बताया जा रहा है कि उसका संबंध जामिया सिराज-उल-उलूम, इमाम साहिब से भी है। इसके अलावा, शोपियां के इमाम साहिब क्षेत्र में स्थित जमात-ए-इस्लामी से संबद्ध सिराज-उल-उलूम संस्थान में भी तलाशी अभियान चलाया गया।

अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई एनआईए की उस जांच का हिस्सा है जिसमें जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद और भारत-विरोधी प्रचार को बढ़ावा देने के लिए जमात-ए-इस्लामी की गतिविधियों को फिर से सक्रिय करने के प्रयासों की जांच की जा रही है। गौरतलब है कि फरवरी 2024 में केंद्र सरकार ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए), 1967 की धारा 3(1) के तहत जमात-ए-इस्लामी जम्मू-कश्मीर पर अगले पांच वर्षों के लिए प्रतिबंध बढ़ा दिया था।

सरकारी एजेंसियों का आरोप है कि जमात-ए-इस्लामी आतंकवाद को बढ़ावा देने, अलगाववादी विचारधारा का समर्थन करने और जम्मू-कश्मीर में राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को हवा देने में शामिल रही है। अंतिम समाचार मिलने तक कई स्थानों पर तलाशी अभियान जारी था।

त्विषा शर्मा केस :एसजी बोले- ऐसी घटना से अच्छा, हो जाए तलाक, सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी- निष्पक्ष जांच जरूरी

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने त्विषा शर्मा मामले का स्वतः संज्ञान लेते सोमवार को इस पर सुनवाई की। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है और इसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है। उन्होंने इस मामले को सनसनीखेज बनाने से बचने की भी सलाह दी।

सुप्रीम कोर्ट ने त्विषा शर्मा की मौत को अप्राकृतिक मृत्यु माना है। सीजेआई सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान कहा कि इस मामले में दो या तीन पहलू थे। पहला दूसरे पोस्टमार्टम से जुड़ा है, जो पूरा हो चुका है। उन्होंने मीडिया से अपील करते हुए कहा कि कुछ कार्रवाइयों से हमें पीड़ा हुई है। हम अपने मीडिया मित्रों से अनुरोध करेंगे कि वे पीड़ित परिवार या दूसरे परिवार के बयान न लें। मामले को कानून और प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ने दें।

उम्मीद है, जांच में सच्चाई का पता लगाएंगे :सीजेआई सीजेआई ने कहा कि सास पूर्व जिला न्यायाधीश हैं और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह कहा जा रहा है कि न्यायपालिका निष्पक्ष सुनवाई नहीं होने दे रही है।

डंपर-ट्रक की टक्कर, रेस्क्यू में जुटे थे लोग

पीछे से आई बस और हो गया बड़ा हादसा, 6 की मौत, 26 घायल

एजेंसी

धुलेः महाराष्ट्र के धुले-मुंबई-आगरा राजमार्ग पर सोमवार सुबह एक भयावह सड़क दुर्घटना में छह लोगों की जान चली गई, जबकि 26 लोग घायल हो गए। घायलों का इलाज धुले के भाऊसाहब हायर सरकारी मेडिकल कॉलेज में किया जा रहा है। यह दुर्घटना ललिंग घाट पर रेत से लदे एक डंपर के विपरीत दिशा में चलने के कारण तीन गाड़ियों के बीच हुई।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आज तड़के तीन बजे ललिंग घाट पर भारी ट्रैफिक था जब रेत से भरा डंपर विपरीत दिशा से आते हुए शराब से लदे एक ट्रक से टकरा गया। दुर्घटना के बाद टोल प्लाजा कर्मी और प्रत्यक्षदर्शी घायलों को बचाने में जुट गए। इसके कुछ ही देर बाद मुंबई से इंदौर जा रही

एक पैसेंजर बस दुर्घटनाग्रस्त शराब के ट्रक से जा टकराई। इस टक्कर में घायलों को दुर्घटनास्थल से निकाल रहे दो लोगों की जान चली गई। इसके बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। ललिंग टोल प्लाजा के कर्मियों और मोहादी पुलिस की मदद से घायलों और मृतकों को एक अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों को बचाने की कोशिश में अपनी जान गंवाने वाले टोल प्लाजा कर्मियों की मौत के बाद विरोध में टोल प्लाजा बंद कर दिया गया। नतीजतन, राजमार्ग पर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। इस दुर्घटना में घायलों को बचाने के लिए आगे आए प्रत्यक्षदर्शी 32 वर्षीय मनोज नारवाल ने अपनी जान गंवाई। इसके अलावा 35 वर्षीय टोल प्लाजा कर्मी गणेश हीरामन थोराट और 43 वर्षीय लग्जरी बस चालक जावेद खान भी इस सड़क दुर्घटना में मारे गए। तीन अन्य मृतकों की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है।

अनियंत्रित होकर 900 फुट गहरी खाई में गिरी कार, 8 की मौत

कोल्हापुरः महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में महाबलेश्वर-पोलादपुर मार्ग पर अम्बेनाली घाट खंड में रविवार रात एक कार 900 फुट गहरी खाई में गिर गई, जिससे आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही राजमार्ग पुलिस ने बचाव अभियान शुरू कर दिया। महाबलेश्वर ट्रैकर्स और प्रतापगढ़ खोज एवं बचाव दल भी बचाव कार्य में शामिल हुए। अब तक घाटी से तीन शव बरामद किए जा चुके हैं। मृतकों की पहचान महेश अनिल पवार (25), आदित्य अशोक सालुंखे (21), रितेश राजेंद्र लोखंडे (25), सुहास जितेंद्र लोखंडे (20), ऐश समीर चव्हाण (18), उत्कर्ष आनंद शिंगते (21), अनिल अभिमन्यु शिंगते (25) और नितिन किसान नाइकोंडे (35) के रूप में हुई है। आगे की जांच जारी है।

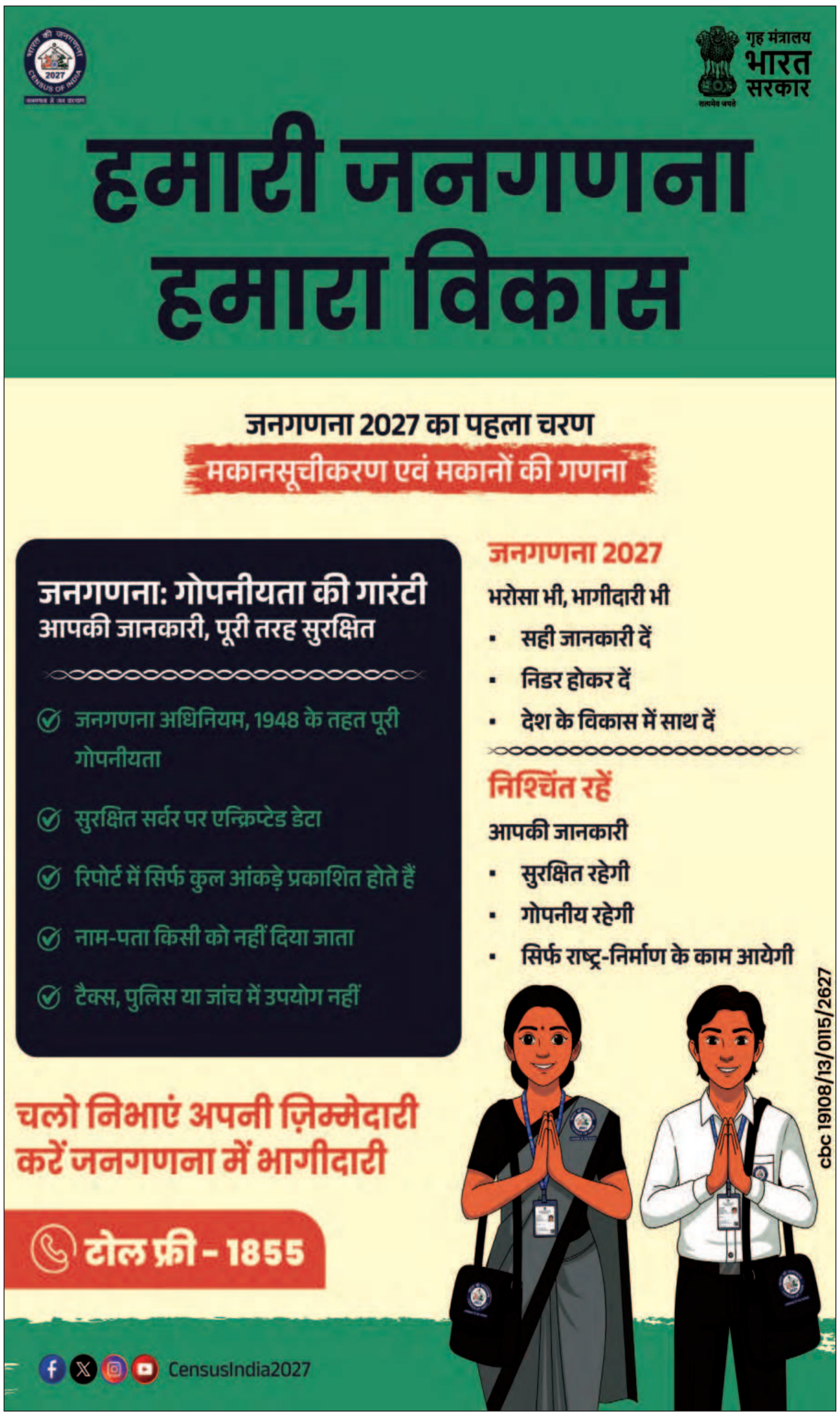

न्यूज IN ब्रीफ

भीषण गर्मी में रात भर बिजली रही गुल, परेशानी

मुरीः मुरी सिल्ली की बदकिस्मती है कि न आंधी आया, न ही तूफान, न ही बारिश हुई। रात दस बजे के बाद से पूरी रात एवं सुबह साढ़े नौ बजे तक समाचार लिखे जाने तक बिजली गायब रही। उमस भरी गर्मी से लोग बगैर बिजली के ठीक से सो नही पाए। बच्चों का हाल बहुत बुरा रहा। जो रात को सो नही पाए वो दिन को बच्चे सो रहे हैं। ऐसे समय में कोई नेता आम जनता के परेशानी को समझना नही चाहता है।

शॉर्ट सर्किट से तीन दुकानें जलकर खाक, 15 लाख का नुकसान

पलामूः जिला के हैदरनगर बस स्टैंड के समीप तीन दुकानों में भीषण आग लग गई। आग लगने से करीब 15 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। थाना पुलिस की सूचना पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। घटना का कारण बिजली के खंभे में शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। यह घटना सोमवार तड़के 3:11 बजे की है।

बताया जा रहा है कि बिजली के खंभे में शॉर्ट सर्किट लगने से शमशीर टायर दुकान, छोटू बाइक गैरेज व सलाम ऑटो गैरेज में आग लग गई। घटना की जानकारी पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास किया। इस दौरान अचानक कुछ लोगों ने बताया कि दुकान में एक एलपीजी सिलेंडर भी है। जैसे ही पुलिस पीछे हटी, सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। हालांकि पुलिस कर्मी बाल-बाल बच गए।

इस दौरान फायर बिग्रेड को सूचना दी गई। इसके बाद फायर बिग्रेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।थाना प्रभारी तंजीलुल मनान ने बताया कि दुकानदारों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार घटना में 3 ऑटो, 3 बाइक और करीब 3 लाख रुपए का टायर के अलावा अन्य सामान जलकर खाक हो गया है।

मौके पर मौजूद एसआई आजम अंसारी ने बताया कि जब आग लगी तो वह पेट्रोलिंग के दौरान वहां मौजूद थे। वह जवानों के साथ आग बुझाने का पूरा प्रयास किया। साथ ही फायर ब्रिगेड और पुलिस को तत्काल सूचना दी। उन्होंने बताया कि अगर आग पर समय रहते काबू नहीं पाया जाता तो अन्य कई दुकानें भी चपेट में आ सकती थी।

मुख्यमंत्री आज से 11 जून तक करेंगे विकास योजनाओं की समीक्षा

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार से 11 जून तक लगातार विकास योजनाओं की समीक्षा करेंगे। वे वित्तीय वर्ष की प्राथमिकताओं और योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति को लेकर विभागों की जवाबदेही भी तय करेंगे। वित्तीय वर्ष 2025-26 में किन विभागों की क्या उपलब्धि रही, चालू वित्तीय वर्ष की क्या कार्ययोजना है, इसे भी जानेंगे। इस समीक्षा बैठक के बाद विकास कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है। बैठक में विभागीय मंत्री, मुख्य सचिव, विकास आयुक्त और विभागीय अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। हर विभाग को योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट, उपलब्धियां, लक्ष्य और आगे की रणनीति पेश करने को कहा गया है। गौरतलब है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1,45,400 करोड़ का मूल बजट था। इसके विरूद्ध 1,23,659 करोड़ रुपए ही खर्च हुए। कुल राजस्व आय का लक्ष्य 1,25,153 करोड़ की जगह 1,01,427 करोड़ ही जमा हुआ।

पतरातू में सिग्नलिंग केबल चोरी करते तीन गिरफ्तार, 20 मीटर रेलवे केबल बरामद

रामगढ़ः रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पतरातू पोस्ट ने पतरातू गुड्स शेड की साइडिंग लाइन से सिग्नलिंग केबल चोरी करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से करीब 20 मीटर लंबा 12 कोर रेलवे सिग्नलिंग केबल बरामद किया गया है, जिसकी कीमत लगभग दो हजार रुपये बताई गई है।

सौंदा बगीचा से तीन आरोपी गिरफ्तारः गिरफ्तार आरोपियों में सौंदा बगीचा निवासी मोहन डे (50 वर्ष), राहुल कुमार (18 वर्ष) और गौतम कुमार (20 वर्ष) शामिल हैं।

रेलवे सिग्नलिंग केबल चोरी का मामला उजागरः आरपीएफ पतरातू पोस्ट के अनुसार, 23 मई की रात करीब आठ बजे पतरातू प्वाइंट संख्या 305 के पास स्थित लोकेशन बॉक्स से 2.12 कोर सिग्नलिंग केबल काटकर चोरी कर ली गई थी। मामले की जानकारी मिलने के बाद विभाग द्वारा 24 मई को ज्वाइंट नोट तैयार किया गया।

तलाशी में बरामद हुआ 20 मीटर केबल, जांच जारीः बताया गया कि शनिवार को जांच के दौरान आरपीएफ टीम पतरातू बस्ती क्षेत्र से लौट रही थी। इसी दौरान ईस्ट केबिन के पास तीन लोगों को जूट की बोरी में भारी सामान ले जाते देखा गया। संदेह होने पर टीम ने तीनों को घेरकर पकड़ लिया। तलाशी लेने पर बोरी से तीन टुकड़ों में करीब 20 मीटर रेलवे सिग्नलिंग केबल बरामद हुआ।

पूछताछ में आरोपियों ने किया खुलासा, मामला दर्ज कर जांच जारीः पूछताछ में तीनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि पैसे के लालच में उन्होंने 23 मई की रात केबल काटकर पास के टूटे केबिन में छिपा दिया था और शनिवार दोपहर उसे बेचने के लिए ले जा रहे थे। आरोपियों के पास रेलवे संपत्ति ले जाने संबंधी कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला। इस संबंध में उप-निरीक्षक प्रवीण कुमार की लिखित शिकायत पर कांड संख्या-05/2026 दर्ज करते हुए धारा-3 आरपी(यूपी) एक्ट एवं रेलवे अधिनियम की धारा 147 के तहत मामला दर्ज किया गया है। बताया गया कि सिग्नलिंग केबल कटने से ट्रेन परिचालन में बड़ी बाधा उत्पन्न हो सकती थी।

झारखंड में एसआईआर प्रक्रिया तेज

2003 की मतदाता सूची से 26.75 वोटरों का नहीं हुआ मिलान

संवाददाता

रांची : झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर विधानसभावार अनमैप्ड मतदाताओं की सूची प्रदर्शित कर दी गई है, जहां मतदाता अपना नाम जांच कर बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) से संपर्क कर मैपिंग की प्रक्रिया पूरी करा सकते हैं। यह सूची अगले दो सप्ताह तक संबंधित मतदान केंद्रों पर उपलब्ध रहेगी।

मतदान केंद्रों पर पहुंच रहे मतदाताः राजधानी रांची के कई मतदान केंद्रों पर मतदाता सूची से मिलान कराने के लिए लोग पहुंचे। जिनका नाम तकनीकी कारणों से कट गया था, उनके नाम जोड़ने की प्रक्रिया शुरू की गई। मतदान केंद्रों पर अरगोड़ा, हरमू, कडरू और किशोरगंज से आए कई लोगों ने चुनाव आयोग की इस पहल का स्वागत किया। लोगों का कहना है कि इससे मतदान के दिन होने वाली परेशानियों से बचा जा सकेगा।

70 लाख से अधिक मतदाता अनमैप्डः निर्वाचन विभाग के अनुसार राज्य में कुल 2 करोड़ 64 लाख 87 हजार 659 मतदाता हैं। इनमें से 70 लाख 84 हजार 802 मतदाताओं का नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मेल नहीं खा सका है। यह संख्या कुल मतदाताओं का 26.75 प्रतिशत है। विभाग ने ऐसे मतदाताओं की सूची सार्वजनिक

कर दी है, ताकि वे अपने नाम की जांच कर आवश्यक सुधार करा सकें।

किन मतदाताओं को देना होगा दस्तावेजः निर्वाचन अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिन मतदाताओं का नाम अनमैप्ड सूची में नहीं है, उन्हें एसआईआर प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार का दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। वहीं, जिनका नाम सूची में दर्ज है, उन्हें निर्धारित 11 दस्तावेजों में से किसी एक दस्तावेज को प्रस्तुत करना होगा।2003 की सूची को बनाया गया आधारः बताया गया कि वर्ष 2003 में राज्य में अंतिम बार एसआईआर कराया गया था। उसी समय की मतदाता सूची को आधार बनाकर वर्तमान मतदाताओं की मैपिंग की जा रही है। निर्वाचन विभाग का कहना है कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक शुद्ध और अद्यतन बनाना है, ताकि चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी और त्रुटिरहित हो सके।

रांची कुरमाली भाषा को लेकर कुड़मी समाज की केंद्र सरकार को दो टूक

60 दिन में फैसला लो नहीं तो झारखंड बंद

संवाददाता

रांची : कुरमाली भाषा को संविधान की अष्टम सूची में शामिल करने की मांग को लेकर झारखंड में कुड़मी समाज ने आंदोलन तेज करने का एलान किया है। रांची में आयोजित बैठक में झारखंड कुड़मी समन्वय समिति ने केंद्र सरकार को 60 दिनों का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं होने पर आर्थिक नाकेबंदी आंदोलन चलाया जाएगा।

अमित शाह के वादे की दिलाई यादः समन्वय समिति के अध्यक्ष शीतल ओहदार ने कहा कि पश्चिम बंगाल में बीजेपी सरकार बनने के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चुनाव प्रचार के समय कुरमाली भाषा को संविधान की अष्टम सूची में शामिल करने का वादा किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बनने के बाद भी इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई।

पहले भी हो चुका है रेल रोको आंदोलनः शीतल ओहदार ने कहा कि इससे पहले कुड़मी समाज ने रेल रोको आंदोलन भी किया था, जिससे रेल सेवाएं प्रभावित हुई थीं। उस दौरान केंद्र सरकार की ओर से आश्वासन मिला था, लेकिन अब तक मांगें पूरी नहीं हुईं। उन्होंने कहा कि समाज अब आर-पार की लड़ाई के मूड में है और मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा।

खनिज आपूर्ति रोकने की चेतावनीः समिति अध्यक्ष ने कहा कि यदि 60 दिनों के भीतर कुरमाली भाषा को अष्टम सूची में शामिल नहीं किया गया तो झारखंड से कोयला, लोहा समेत अन्य खनिज पदार्थों की बाहर आपूर्ति रोक दी जाएगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, 'झारखंड से एक छटाक भी खनिज बाहर नहीं जाने दिया जाएगा। जातीय जनगणना पर भी हुई चर्चाः बैठक में जातीय जनगणना के मुद्दे पर भी चर्चा की गई। समिति ने कहा कि इस विषय पर कुड़मी समाज अगली बैठक में अपनी रणनीति तय करेगा।

बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक

बकरीद शांतिपूर्वक मनाने की अपील

संवाददाता

मुरीः सिल्ली थाना में बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। संचालन कर रहे फारूक मोमिन ने कहा कि बकरीद में कोई भी ऐसा काम न करें जो हिन्दू भाइयों को बुरा लगे । वही सिल्ली थाना प्रभारी नवीन कुमार ने कहा कि शांति पूर्ण बकरीद संपन्न कराने की जिम्मेदारी पुलिस की है । साथ ही आम जनता को निर्देश दिया कि अफवाहों से बचने का प्रयास करे। मुरी थाना प्रभारी विकास कुमार ने कहा कि शांति पूर्ण ढंग से बकरीद संपन्न होना चाहिए। समाजिक संगठन के जिम्मेदार लोगों ने कहा कि अभी तक सिल्ली के इतिहास में कभी भी पर्व त्योहार में कोई बात नहीं हुई। कई लोगों ने अपने अपने विचार दिए। बैठक में सिल्ली थाना प्रभारी नवीन कुमार, मुरी ओपी प्रभारी विकास कुमार पासवान,अरुण कुमार यादव,उदय कुमार सिंह, , मुन्ना सिंह,संचालन, मोहम्मद फारुख,, देवाशीष दत्ता, लालू उरांव, मोहम्मद चांद, राजेश साहु, मेघनाथ महतो, जसरुददीन समेत मुस्लिम कमेटी एवं शांति समिति के सदस्य मौजूद थे।

बंता सिल्ली में झारखंड आन्दोलनकारियों की बैठक, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

संवाददाता

मुरीः जय झारखंड, लड़ कर लिया है झारखंड, लड़ कर लेगे मान सम्मान, पेंशन का नारे के साथ सिल्ली बंता में झारखंड आन्दोलनकारियों की बैठक हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी दो जून को अपनी मांग को लेकर सीएम आवास के समक्ष अनिश्चित कालीन धरना करना है। इस विषय को लेकर झारखंड आन्दोलनकारी सधर्ष मोर्चा के संस्थापक पुष्कर महतो ने कहा कि सिल्ली मुरी के सभी साथी एकजुट होकर धरना प्रदर्शन में भाग ले। हमारी चिंता- झारखंडी मूल्य की रक्षा, झारखंड आंदोलनकारियों को राजकीय मान सम्मान ,अलग पहचान बाल बच्चों को रोजी रोजगार नियोजन की गारंटी जेल जाने की बाध्यता समाप्त कर सभी को सम्मान पेंशन राशि 50-

50 हजार रु नहीं दिया जाना चिंता की बात है। दिशोम गुरु शिबू सोरेन को गजट नोटिफिकेशन कर झारखंड आंदोलनकारी का सर्वोच्च सम्मान नहीं दिया जाना भी लपरवाही का नतीजा है। छूटे हुए मूल झारखंड आंदोलनकारियों के लिए झारखंड आंदोलनकारी चिंहितिकरण आयोग कार्यालय का पुनर्गठन नहीं होना, झारखंडी भाषा- संस्कृति, माय- माटी एवं अलग राज्य के मूल्यों की रक्षा नहीं होना दुखत बात है। पुष्कर महतो संस्थापक झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा,विदेशी महतो केंद्रीय अध्यक्ष, इजहार राही केंद्रीय उपाध्यक्ष , प्रो रतनलाल महतो केंद्रीय सचिव , सरोजनी कच्छप केंद्रीय कोषाध्यक्ष, रोजलीन तिर्की अध्यक्ष दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडल , अंथन लकड़ा प्रभारी दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडल , सुबोध कुमार लकड़ा रांची जिला अध्यक्ष व अन्य उपस्थित थे।

मंडा पर्व धूमधाम से संपन्न, अंगारों पर चलकर शिव भक्तों ने दी आस्था की परीक्षा

संवाददाता

रामगढ़ : जिले में हुहुआ स्थित शिव मंदिर प्रांगण में देर रात शिव आराधना पर्व मंडा पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि वार्ड पार्षद लीला कुमारी ने फीता काटकर किया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं ग्रामीण मौजूद थे।

अंगारों पर चलकर भक्तों ने दिखाई अटूट आस्था : मंडा पर्व के दौरान शिव भक्तों ने दहकते अंगारों पर नंगे पांव चलकर और बनस झूला में झूलकर अपनी अटूट आस्था और भक्ति का परिचय दिया। भक्तों के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल में गूंज उठा।

छऊ नृत्य ने मोहा श्रद्धालुओं का मन : रात में आयोजित छऊ नृत्य

कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल से आये कलाकारों ने शिव तांडव और पौराणिक कथाओं का जीवंत मंचन किया। श्रद्धालुओं ने देर रात तक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद उठाया। वार्ड पार्षद लीला कुमारी ने कहा कि मंडा पर्व हमारी संस्कृति और आस्था की पहचान है। कठिन तप एवं भक्ति के इस पर्व में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम में कई गणमान्य लोग रहे उपस्थितः कार्यक्रम में कमेटी अध्यक्ष रोशन कुमार, सचिव परमानंद कुमार, नरेश राम, लखन महतो, नरेश महतो, मनोज मुंडा, पुरुषोत्तम कुमार, मनोज कुमार, सुजीत मुंडा, भुनेश्वर महतो, लखन बेदिया, जयनंदन महतो, रामवृक्ष महतो, अजित राज, दयानंद महतो, अशोक मुंडा, उमेश महतो, कृष बेदिया, गोपी मुंडा, अजय महतो, लखेंद्र महतो, विवेक कुमार, भवानी महतो, शिबू बेदिया, तुनु कुमार, पंचम सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

अगले 2 महीने में सड़कों पर दौड़ेंगी 443 एंबुलेंस, जर्जर व्यवस्था सुधारने की तैयारी

संवाददाता

रांची : झारखंड में लगातार सवालों के घेरे में रही 108 एंबुलेंस सेवा को पटरी पर लाने की कवायद तेज हो गई है। मरीजों को समय पर आपातकालीन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अगले दो माह में 443 एंबुलेंस सड़कों पर उतारने की तैयारी है। इनमें 237 नई एंबुलेंस की खरीद की जाएगी, जबकि लंबे समय से खराब पड़ी 206 एंबुलेंस को मरम्मत कर दोबारा सेवा में लगाया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग ने सभी एंबुलेंस का संचालन नई एजेंसी से कराएगा। एनएचएम के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा बताते हैं कि पूरी खरीदारी अंतिम चरण पर है, इसमें एएलएस एंबुलेंस की खरीदारी की जानी है, जिसमें लाइफ स्पोर्ट लगा होगा।

आज आधुनिक एंबुलेंस की जरूरत है, हालांकि यह एंबुलेंस बड़ी है लेकिन इसमें जो सेवाएं हैं वो मरीजों के लिए लाभप्रद होगा। मालूम हो कि राज्य में वर्तमान में प्रत्येक जिले में औसतन 15-20 एंबुलेंस संचालित हैं, लेकिन इनमें से आधे से

अधिक वाहन जर्जर स्थिति में पहुंच चुके हैं।

कई एंबुलेंस के दरवाजे टूटे हुए हैं, स्ट्रेचर और बेड खराब हैं, आक्सीजन सपोर्ट सिस्टम काम नहीं कर रहा है, तो कई वाहनों के टायर तक घिस चुके हैं। कई जिलों में एसी बंद रहने और सायरन खराब होने की शिकायतें भी सामने आई हैं। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में पाया गया था कि खराब एंबुलेंस और सीमित वाहनों के कारण मरीजों को समय पर सुविधा नहीं मिल पा रही थी। ग्रामीण इलाकों में स्थिति और गंभीर रही, जहां कई बार मरीजों को निजी वाहन या आटो से अस्पताल पहुंचाना पड़ा। कई मामलों में एंबुलेंस देर से पहुंचने के कारण मरीजों की जान तक चली गई।

हर दिन हजारों काल, लेकिन सीमित संसाधनः राज्य में 108 सेवा पर प्रतिदिन हजारों काल आती हैं। सड़क दुर्घटना, गर्भवती महिलाओं, हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक और गंभीर मरीजों के लिए यह सेवा जीवनरेखा मानी जाती है, लेकिन वाहनों की खराब स्थिति और तकनीकी दिक्कतों के कारण सेवा प्रभावित हो रही थी। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि नई एंबुलेंस के आने और पुरानी गाड़ियों की मरम्मत के बाद व्यवस्था में बड़ा सुधार होगा।

कहीं टोचन कर तो कहीं धक्का मार चल रहा एंबुलेंसः चतरा जिले में कई 108 एंबुलेंस वाहन पूरी तरह से खराब हैं, इतना ही नहीं यहां कर्मचारियों को एजेंसी के द्वारा दो माह से वेतन तक नहीं मिल पाया है। झारखंड प्रदेश एम्बुलेंस कर्मचारी संघ ने चतरा जिले में संचालित 108 एम्बुलेंस सेवा की अत्यंत खराब स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

संगठन द्वारा जारी सूची के अनुसार जिले में कुल 17 एम्बुलेंस संचालित हैं, जिनमें अधिकांश वाहन खराब अथवा सीमित रूप से संचालित हो रहे हैं, जिन्हें धक्का मारने के बाद स्टार्ट किया जाता है।

वहीं, देवघर जिले में संचालित 108 एंबुलेंस सेवा की बात करें तो कई एंबुलेंस ऐसी हालत में सड़क पर दौड़ रही हैं, जिन्हें बीच रास्ते में टोचन करके खींचना पड़ता है।

लू के बढ़ते मामलों पर अलर्ट मोड में रिम्स

मरीजों के लिए विशेष इलाज और अतिरिक्त बेड की तैयारी

✔ आम जनता को धूप से बचने, पानी पीने की सलाह।

संवाददाता

रांची: गर्मी बढ़ने के साथ ही हीट स्ट्रोक (लू लगने) के मामलों में इजाफा होने लगा है। इसे देखते हुए रिम्स प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है और मरीजों के इलाज को लेकर आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। रिम्स प्रबंधन ने बताया कि हीट वेव के दौरान आम लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है।

जानकारी के अनुसार, हीट स्ट्रोक से पीड़ित मरीजों का इलाज मुख्य रूप से मेडिसीन और पीडियाट्रिक्स विभाग में किया जाता है। मरीज की स्थिति और लक्षणों के आधार पर उपचार की प्रक्रिया अपनाई जाती है। वहीं, मरीजों की संख्या बढ़ने की स्थिति में रिम्स प्रबंधन अलग से डेडिकेटेड बेड की व्यवस्था करने पर भी विचार कर सकता है।

सिर और शरीर को ढककर रखने की सलाह: रिम्स प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे सरकार द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पालन करें और अनावश्यक रूप से तेज धूप में बाहर निकलने से बचें। लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, हल्के एवं ढीले कपड़े पहनने तथा बाहर निकलते समय सिर और शरीर को ढककर रखने की सलाह दी गई है। विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों को गर्मी के मौसम में अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत बताई गई है, क्योंकि हीट स्ट्रोक का खतरा इन वर्गों में अधिक रहता है।

44.8 डिग्री पहुंच गया पलामू का पारा डालटेनगंज -गढ़वा में लू का अलर्ट

30 मई तक 8 जिलों में रुक-रुक कर बारिश, तेज हवा और वज्रपात का अलर्ट

रांची : झारखंड में अगले कुछ दिनों तक मौसम का मिजाज बदला हुआ रहने की संभावना है। मौसम विज्ञान विभाग के रांची मौसम केंद्र ने राज्य के कई हिस्सों में गरज-चमक, तेज हवा और बारिश का पूवार्नुमान जारी किया है । वहीं उत्तर-पश्चिमी जिलों (पलामू प्रमंडल) में लू चलने की चेतावनी भी दी गयी है । मौसम विभाग ने पलामू, गढ़वा और चतरा जैसे उत्तर-पश्चिमी जिलों में लू चलने का अलर्ट जारी किया है । विभाग का कहना है कि इन इलाकों में तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है और लोगों को दोपहर के समय सतर्क रहने की जरूरत है ।

डालटनगंज रहा सबसे गर्म

रविवार को डालटनगंज राज्य का सबसे गर्म स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया । जमशेदपुर में 40.5 डिग्री, बोकारो में 42.1 डिग्री और चाईबासा में 40 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया । राजधानी रांची में अधिकतम तापमान 39 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. बहरागोड़ा में चार मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गयी, जबकि राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क बना रहा ।

छाये रहेंगे आंशिक बादल, कई जिलों में बारिश का अनुमानः मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार 25 से 28 मई तक राज्य में आंशिक रूप से बादल छाये रहेंगे और कई जिलों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है । 25 मई को उत्तर-पूर्वी जिलों (संताल परगना) में फिर से तेज हवा और वज्रपात की आशंका जतायी गयी है । 26 और 27 मई को भी राज्य के विभिन्न हिस्सों में गर्जन के साथ बारिश और तेज हवा चलने की संभावना बनी रहेगी ।

राजधानी आसपास में बदलते रहेगा मौसमः रांची और आसपास के क्षेत्रों में भी अगले पांच दिनों तक मौसम बदलता रहेगा । 25 और 27 मई को गर्जन वाले बादल बनने की संभावना है, जबकि 28 मई तक तापमान में गिरावट दर्ज हो सकती है । 28 मई को रांची का अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है ।

राजीव रंजन मिश्रा को गुलाम मुस्तफा ने किया सम्मानित

संवाददाता

रांची: सामाजिक संगठन भारतीय एकता कमेटी रांची के तत्वावधान में संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने महावीर मंडल के पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा उर्फ चुन्नू भैया उर्फ बड़े भाई के घर में जाकर उन्हें खुशी से माला पहनाया और चुनरी ओढ़ा कर सम्मानित किया। इस खुशी के अवसर पर गुलाम मुस्तफा ने चुन्नू मिश्रा को अपने हाथों से मिठाई खिलाया और कहा कि भैया यह खुशी का मिठाई है। सत्य हमेशा विजयी होता है । आपके साथ जिसने भी गलत किया है उसके साथ ऊपर वाला जरूर गलत करेगा । उसको छोड़ेगा नहीं। बड़े भाई को मॉनिटर लिजर्ड की हड्डी की तस्करी में एक साजिश के तहत फंसाया गया था । राजीव रंजन के जेल से छूटने पर गुलाम मुस्तफा ने उन्हें दिल से बहुत-बहुत बधाई मुबारकबाद दिया है और कहा कि चुन्नू भैया हम लोगों के बड़े भाई हैं। इनकी इज्जत सभी धर्म समुदाय में है यह एक बहुत ही अच्छे शरीफ और धार्मिक इंसान हैं। सभी के पर्व त्योहार में आगे आगे रहते हैं और शहर में अमन शांति बनाए रखने के लिए भी हमेशा खड़े रहते हैं । हम लोगों के बड़े भाई हैं और हमेशा हम लोगों को प्यार से पर्व त्योहार में बुलाते हैं, प्यार से गले लगाते हैं। सभी धर्म समुदाय को प्यार से मोहब्बत से अपने साथ जोड़कर रखते हैं। यही चुन्नू भैया की सबसे बड़ी खूबी है।

हिन्दपीढ़ी में गहराया जल संकट, रांची जल बोर्ड व नगर निगम से तत्काल कार्रवाई की मांग

पुराने पाइपलाइन और आसपास निर्माण कार्यो से प्रभावित हो रही जलापूर्ति : फहीम अहमद

(गुलाम शाहिद)

रांची: राजधानी रांची के हिन्दपीढ़ी इलाके में इन दिनों पानी की गंभीर किल्लत से स्थानीय लोग परेशान हैं। क्षेत्र में लगातार बढ़ते मॉल और फ्लैट निर्माण के कारण जलापूर्ति व्यवस्था प्रभावित हो रही है, जिससे लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। इकरा इंडियंस रांची के अध्यक्ष फहीम अहमद ने कहा कि हिन्दपीढ़ी में लगी पाइपलाइन काफी पुरानी हो चुकी है, जिसके कारण लोगों के घरों तक गंदा और दूषित पानी पहुंच रहा है। इससे आम जनता को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है तथा बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। उन्होंने रांची नगर निगम व जल बोर्ड से मांग की है कि हिन्दपीढ़ी क्षेत्र की जलापूर्ति व्यवस्था का तत्काल निरीक्षण कर पुरानी पाइपलाइन को बदला जाए और साफ पानी की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। फहीम अहमद ने कहा कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से आम जनता की परेशानियों को देखते हुए जल्द से जल्द ठोस कदम उठाने की अपील की।

क्रांति व शांति दोनों का प्रतीक है सरना झंडा

लापुंग : प्रखंड के फतेहपुर मुंडाटोली में पांचवीं झंडागड़ी व प्रार्थना सभा आयोजित की गयी। अध्यक्षता बुधवा पहान व पवन बरला ने की। बुधवा पहान ने विधि पूर्वक पूजा करायी। इसके बाद मीनू कच्छप, सोमरा मुंडा व एतवा पहान ने संयुक्त रूप से झंडागड़ी की। केंद्रीय उपाध्यक्ष सोमे उरांव ने कहा कि क्रांति व शांति दोनों का प्रतीक है सरना झंडा। मुख्य अतिथि कर्रा निवासी जयमंगल मुंडा ने कहा कि जल, जंगल व जमीन बचेगी, तभी सरना धर्म बचेगा। उन्हें सभी लोगों से अपनी परंपरा बचाकर रखने की अपील की। झंडागड़ी के दौरान सिंगबोंगा चाला आयो और जय धर्मेश के जयकारे से सरना स्थल गूंज उठा। लोगों ने राष्ट्रीय जनगणना व सरना
गूगल पर प्रभात खबर चुनें
धर्म कोड की चर्चा की। मंगरा मुंडा ने कहा आदिवासियों को शिक्षित होना जरूरी है।

मां

मां मेहंदी है, कुमकुम है, सिंदूर व रोली है
मां संवेदना है, भावना का एहसास है, मां जीवन के फूलों में खुशबू का वास है।
मां रोते हुए बच्चों का खुशनुमा पलना है, मां मरुस्थल में नदी या मीठा सा झरना है।
मां लोरी है, गीत है, प्यारी सी थाप है, मां पूजा की थाली है, मंत्रों का जाप है।
मां आंखों का सिसकता हुआ किनारा है, मां गालों पर पप्पी और ममता की धारा है।
मां झुलसते दिलों में कोयल की बोली है, मां मेहंदी है, कुमकुम है, सिंदूर है,रोली है।
मां कलम है, दवात है, स्याही है, मां परमात्मा की स्वयं एक गवाही है।

मां त्याग है, तपस्या है, सेवा है, मां भूख से ठंडा हुआ कलेवा है।
मां अनुष्ठान है, साधना है, जीवन का हवन है, मां जिंदगी के मोहल्ले में आत्मा का भवन है।
मां चूड़ी वाले हाथों के मजबूत कंधों का नाम है, मां काशी है, काबा है, चारों धाम है।
मां चिंता है, याद है, हिचकी है, मां बच्चों की चोट पर सिसकी है।
मां चूल्हा, धुआं,रोटी और हाथों का छाला है, मां जिंदगी की कड़वाहट में अमृत का प्याला है।
मां पृथ्वी है, जगत है, धूरी है, मां बिना इस सृष्टि की कल्पना अधूरी है।
तो मां की यह कथा अनादि है, ये अध्याय नहीं है और मां का जीवन में कोई पर्याय नहीं है।
मां का महत्व दुनिया में कम हो नहीं सकता और मां जैसा दुनिया में कुछ हो नहीं सकता।

***(प्रख्यात कवि ओम व्यास की कविता संग्रह से साभार)**
***प्रस्तुति : गरिमा प्रिया पंडित, मोहल्ला : इंद्रपुरी, रोड नंबर एक, रातू रोड, रांची, (झारखंड)।**

एक्वा वर्ल्डः द ग्रेट इंडियन मूवी सीरीज के तहत आज की शाम सुपरहिट मूवी डीडीएलजे के नाम रही

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः एक्वा वर्ल्ड,रांची मछली घर द्वारा रांची के लोगों के लिए गर्मी की छुट्टियों में मनोरंजन के लिए समर हॉलीडे स्पेशल विशेष कार्यक्रम श्रृंखला की शुरूआत की गयी है। रविवार को द ग्रेट इंडियन मूवी सीरीज के तहत फिल्म दिलवाली दुल्हनिया ले जायेंगे को समर्पित रहा। विपुल नायक के निर्देशन में और देव ज्योति नाहा के संयोजन में दीपांजलि के बच्चों ने मेंहदी लगा के रखना, तुझे देखा तो ये जाना सनम,मेरे ख्वाबों में जो आये, रुक जा ओ दिल दीवाने, जरा सा झूम लूं मैं, आदि गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुत किया। नृत्य प्रस्तुत करने वालों में नीवा, स्वास्ति चटर्जी, राका अधिकारी, प्रिशाश्री, सान्विका, राजवी, आद्या रंजन, स्वास्ति स्वराज, पियुषा, नव्यता, राजू रोकर, गौतम रंजन, अलेक्जेंडर लीला मुंडा, चंद्रकला मिश्रा, मनोज मुंडा, सुहानी अग्रवाल, जेम्स कंडुलना, अंशिका कुमारी, राजू रॉकर, स्वाति जायसवाल, गौतम रंजन, मुस्कान कुमारी, सिद्धि यादव, शिवानी बड़ाइक, अंजलि कुल्लू मुख्य थी। इसके अतिरिक्त लोगों ने सलमान और काजोल के कट आउट के साथ सेल्फी खिंचवाई। मूवी पर आधारित क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। क्विज प्रतियोगिता में मूवी के गानों और डायलॉग पर प्रश्न किया गया।सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

वाम्स मॉडलिंग इंस्टीट्यूट ने डीडीएलजी मूवी के थीम पर फैशन शो भी प्रस्तुत किया।डायरेक्टर थे वसीम आलम, कोरियोग्राफर : श्वेता शारना। मॉडल्स में सोनाली राज, अंजू सिंह, अंकिता मिंज, रानी गोसाई, शैली साहा, रोजलिन खलखो, सोनल नाग, अदिति प्रिया, मिनहाज उद्दीन, अन्युश सिंह, आध्या, शिशिर, अर्शी अली,प्रमुख थे।

प्रचंड गर्मी में कुल मेज से लोगों को मिली राहत : एक्वा वर्ल्ड के पूरे गार्डन में लगाया गया कुल मेज आर्कषण का केंद्र बना हुआ है। प्रचंड गर्मी के बाद भी ऊपर से आती पानी की धीमी धीमी फुहारों से लोगों को गर्मी में भी ठंडा - ठंडा ,कूल - कूल का एहसास होता है।

आज के आयोजन में मुख्य रूप से एक्वा वर्ल्ड के चेयरपर्सन प्रतुल शाह देव , विपुल नायक, सत्य प्रकाश चंदेल,वसीम आलम, धीरज, सुमित, संतोष, देव जीत नाहा (डीजे सर), लोकेश कुमार, आनंद, जीतू ,आदि उपस्थित थे। अगले रविवार का थीम 'हम आपके है कौन' मूवी है।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

प्रधानमंत्री मोदी की पांच देशों की यात्रा और उसके हासिल

प्रधानमंत्री मोदी पांच देशों की यात्रा कर भारत वापस आ गए हैं। उनकी यह 6 दिवसीय यात्रा प्रारंभ से लेकर अंत तक चर्चा के केंद्र में रही। अपने ही देश में उन पर तरह-तरह के फिकरे कसे गए। कांग्रेस ने तो उन्हें गद्दार तक कह दिया। एक ओर जहां नार्वे, नीदरलैंड, स्वीडन, इटली और संयुक्त अरब अमीरात में उन्हें हाथोंहाथ लिया गया, भारत के साथ अनेक समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, वहीं भारत में प्रधानमंत्री मोदी के विरुद्ध विषवमन समझ से परे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्रा और उसके हासिल पर चर्चा करें तो प्रधानमंत्री मोदी को विकल्पहीनता बिल्कुल पसंद नहीं। वे चुनौतियों का मुक्त हृदय से स्वागत करते हैं। संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की उनकी यात्रा को कमोबेश इसी आलोक में देखा-समझा जा सकता है। यह सच है कि उनकी यह यात्रा ऐसे दौर में हुई है, जब उन्होंने देशवासियों से डीजल-पेट्रोल बचाने की अपील की थी। मंत्रियों से विदेश यात्रा से बचने की अपील की थी। देश में उनकी अपील पर अमल शुरू भी हो गया है लेकिन उन्होंने और उनके पीछे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने विदेश के लिए उड़ान भरकर देश को तो विस्मित किया ही, विपक्ष को सरकार के विरोध का मौका दे दिया है। एक सच यह भी है कि ईरान और अमेरिका के युद्ध और अमेरिका-चीन वार्ता की विफलता के बाद पीएम नरेंद्र मोदी को इस बात का अहसास हो गया है कि आने वाला समय भारत के लिए बहुत आसान नहीं है। जिस तरह डीजल-पेट्रोल और गैस की कीमतें बढ़ रही हैं और होर्मुज स्ट्रेट का संकट फिलहाल थमता नजर नहीं आ रहा है, उसे देखते हुए एक दरवाजा बंद होने से पहले नए दरवाजों की उनकी तलाश वाजिब भी है। आइसलैंड, फिनलैंड और डेनमार्क के प्रधानमंत्रियों के साथ अलग-अलग बैठकें कर उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा, व्यापार, सतत विकास और डिजिटलीकरण के क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती के जो प्रयास किए हैं, उसके सकारात्मक परिणामों को नकारा नहीं जा सकता। तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन से ठीक पहले उन्होंने आइसलैंड की प्रधानमंत्री क्रिस्ट्रन फ्रॉस्टडॉटिर, फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो और डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन के साथ बातचीत में तीनों नार्डिक देशों की विशेषताएं तो बताईं ही, भू-तापीय ऊर्जा तथा कार्बन कैप्चर और स्टोरेज जैसे मुद्दों पर भी गहन मंथन किया। आपसी हितों से संबद्ध क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार विमर्श किया। फिनलैंड के प्रधानमंत्री ओर्पो के साथ बैठक में उन्होंने व्यापार और निवेश, डिजिटलीकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता , 5जी और 6जी, क्वांटम प्रौद्योगिकियों, नवीकरणीय ऊर्जा और चक्रीय अर्थव्यवस्था में सहयोग पर चर्चा की तो इस बीच दोनों देशों के बीच सितंबर 2026 में गुजरात के गांधीनगर में संयुक्त रूप से वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमिक फोरम की मेजबानी करने पर सहमति भी बनी। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन के साथ उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपाय, जल प्रबंधन, हरित परिवहन, डिजिटलीकरण और खाद्य प्रसंस्करण सहित सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा की। डेनमार्क के पेंशन फंड को भारत में अपने निवेश का विस्तार करने के लिए आमंत्रित किया। उन्हें यह विश्वास दिलाने की भी कोशिश की कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते से दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को लाभ होगा। भारत और डेनमार्क के बीच वाराणसी में स्मार्ट लेबोरेटरी आन क्लीन रिवर्स की स्थापना के लिए सहयोग का भी जिक्र करना वे नहीं भूले।नॉर्डिक देशों में डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन शामिल हैं। पांचों नॉर्डिक देशों की संयुक्त जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) 1.9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है और वे नवीकरणीय ऊर्जा तथा सतत समुद्री शासन के वैश्विक मानकों में अग्रणी हैं। ओस्लो में आयोजित तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में मोदी और नॉर्वे, डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड तथा स्वीडन के नेताओं ने भाग लिया। भारत और आइसलैंड के बीच घनिष्ठ सांस्कृतिक संबंध हैं और आइसलैंड के लोग योग, शास्त्रीय संगीत, नृत्य, फिल्मों और खान-पान सहित भारतीय संस्कृति में गहरी रुचि रखते हैं। वर्तमान में लगभग 600 भारतीय नागरिक आइसलैंड में रह रहे हैं। मार्च 2024 में नयी दिल्ली में भारत और यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) के बीच हुए व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) पर हस्ताक्षर हो चुके थे। इससे द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी में बढ़ोतरी हुई है। स्विट्जरलैंड, लिकटेंस्टाइन और नॉर्वे के साथ आइसलैंड ईएफटीए के चार सदस्य देशों में से एक है। हेलसिंकी स्थित भारतीय दूतावास की वेबसाइट की मानें तो भारत में फिनलैंड की 100 से अधिक कंपनियों का कारोबार है। नोकिया, कोने एलिवेटर्स, मेट्सो आउटोटेक, वार्सिला, यूपीएम, लिंडस्ट्रॉम, फोर्टम, अहल्स्ट्रॉम और एल्कोटेक जैसी बड़ी फिनिश कंपनियों के भारत में विनिर्माण संयंत्र हैं। फिनलैंड में भारतीय मूल के लगभग 33,445 लोग रहते है। लगभग 2,400 भारतीय छात्र फिनलैंड के विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत हैं। डेनमार्क की कई प्रमुख कंपनियों ने मेक इन इंडिया योजना के तहत नए कल-कारखाने लगे हैं। डेनमार्क की प्रमुख निवेश कंपनियों में एपी मोलर-मेर्स्क ग्रुप शामिल है, जो भारत के कंटेनर व्यापार का लगभग 19 प्रतिशत हिस्सा संभालता है। डेनमार्क में 22 हजार भारतीय रहते हैं, इनमें आईटी पेशेवर, डॉक्टर, इंजीनियर, वित्त और बैंकिंग पेशेवर, शिक्षाविद और छात्र शामिल हैं।

दुनिया के छठवें बड़े तेल उत्पादक देश नार्वे के साथ हुए भारत के नौ समझौते दोनों देशों के विकास में मील का पत्थर साबित हो सकते हैं। नरेंद्र मोदी की इस यात्रा में एक तरह से उन्होंने देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए न केवल ने विकल्प तलाशे हैं बल्कि उन्हें भारत सापेक्ष बनाने की भी कोशिश की है। नई 'ग्रीन स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप' को उच्च स्तर पर ले जाने की पहल की है। समुद्री सहयोग, हरित प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य, डिजिटल विकास और वैज्ञानिक अनुसंधान सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को मजबूती देने के विचार से दोनों देशों के मध्य हुए नौ अनुबंध दोनों देशों के आर्थिक, व्यापारिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रिश्तों को मुकम्मल ऊंचाई देंगे, इसमें किसी को भी रंच मात्र का संदेह नहीं होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिनों की यह नॉर्वे यात्रा इसलिए भी बेहद खास रही क्योंकि नार्वे ने इस अवसर पर भारत की हिन्द प्रशांत महासागर योजना में शामिल होने की घोषणा की। भारत की ओर से भी उसे आश्वस्त किया गया कि भारत अगले साल आयोजित होने वाले 'नॉर शिपिंग' कार्यक्रम में हिस्सा लेगा, वह भी भारतीय मंडप के साथ। यह दोनों देशों की ओर से की गई बड़ी घोषाएं हैं जिसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। दोनों देशों की सरकार के बीच जिन तीन प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, उनमें भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और नार्वे की अंतरिक्ष एजेंसी के बीच बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग और अन्वेषण में सहयोग हेतु रूपरेखा समझौता, भारत और नॉर्वे के विदेश मंत्रालयों के बीच डिजिटल विकास साझेदारी पर समझौता ज्ञापन तथा स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग के लिए नॉर्वे और भारत के स्वास्थ्य मंत्रालय के मध्य समझौता शामिल है। व्यापार और संस्थागत सहयोग आधारित कई अहम समझौतों को अंतिम रूप दिया गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और नॉर्वेजियन जियोटेक्निकल संस्थान के बीच सुरंग निर्माण, ढलान स्थिरता और क्षमता निर्माण से संबंधित विशेष परामर्श सेवाओं के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए हैं।

गंगा दशहरा : मां गंगा के अवतरण का महापर्व, स्नान-दान और पूजा से मिलता है मोक्ष का आशीर्वाद

क्यों कहा जाता है ह्यगंगा दशहराह्नह्यगंगा दशहराह्न शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है– ह्यदशह्न यानी दस और ह्यहराह्न यानी नाश करना। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन गंगा स्नान करने से मनुष्य के दस प्रकार के पापों का नाश होता है। शास्त्रों में इन पापों को तीन प्रकारों में बांटा गया है।

-उदय कुमार सिंह

भारत की सनातन संस्कृति में गंगा दशहरा का पर्व अत्यंत पवित्र, आध्यात्मिक और पुण्यदायी माना जाता है। यह पर्व हर वर्ष ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2026 में गंगा दशहरा का पावन पर्व 25 मई, सोमवार को मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यता है कि इसी दिन मां गंगा का स्वर्गलोक से पृथ्वी पर अवतरण हुआ था। यही कारण है कि इस दिन गंगा स्नान, दान-पुण्य, जप, तप और पूजा-अर्चना का विशेष महत्व माना गया है।

भारतीय संस्कृति में गंगा केवल नदी नहीं बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था, श्रद्धा और जीवन का आधार हैं। सनातन धर्म में गंगा को मां गंगा, ह्लमोक्षदायिनीह्व और ह्लपापनाशिनीह्व कहा गया है। मान्यता है कि गंगा जल में स्नान करने से व्यक्ति के समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। यही कारण है कि गंगा दशहरा के अवसर पर देशभर के गंगाघाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है।

गंगा दशहरा : तिथि और शुभ मुहूर्तड्ढ गंगा दशहरा : 25 मई 2026, सोमवारड्ढ दशमी तिथि प्रारंभ : 25 मई 2026 को सुबह 04:30 बजेड्ढ दशमी तिथि समाप्त : 26 मई 2026 को सुबह 05:10 बजे

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इस वर्ष ज्येष्ठ मास में अधिक मास का विशेष संयोग बन रहा है। ऐसे में गंगा स्नान, दान-पुण्य और पूजा-पाठ का महत्व कई गुना अधिक बढ़ जाता है। धार्मिक विद्वानों के अनुसार इस दिन किए गए पुण्य कार्यों का फल विशेष रूप से शुभ और कल्याणकारी माना जाता है।

क्यों कहा जाता है ह्यगंगा दशहराह्नह्यगंगा दशहराह्न शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है- ह्यदशह्न यानी दस और ह्यहराह्न यानी नाश करना। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन गंगा स्नान करने से मनुष्य के दस प्रकार के पापों का नाश होता है। शास्त्रों में इन पापों को तीन प्रकारों में बांटा गया है-ड्ढ 3 कायिक पाप- शरीर से किए गए पापड्ढ 4 वाचिक पाप- वाणी से किए गए पापड्ढ 3 मानसिक पाप- मन और विचारों से किए गए पाप

इसी कारण इस दिन गंगा स्नान, ध्यान, जप, तप और दान का विशेष महत्व माना गया है। कहा जाता है कि गंगा दशहरा के दिन श्रद्धा से मां गंगा की पूजा करने पर व्यक्ति के जीवन के दुख, कष्ट और नकारात्मकता दूर होती है। मां गंगा के अवतरण की पौराणिक कथापौराणिक कथाओं के अनुसार, राजा सगर के 60 हजार पुत्र कपिल मुनि के श्राप से भस्म हो गए थे। उनके उद्धार और आत्मा की शांति के लिए राजा भागीरथ ने वर्षों तक कठोर तपस्या की। उनकी कठिन साधना से प्रसन्न होकर ब्रह्मा जी ने मां गंगा को पृथ्वी पर आने का वरदान दिया। लेकिन मां गंगा का वेग इतना प्रचंड था कि पृथ्वी उसके प्रवाह को सहन नहीं कर सकती थी। तब भगवान शिव ने पृथ्वी की रक्षा के लिए मां गंगा को अपनी जटाओं में धारण किया और उनके वेग को नियंत्रित किया। इसके बाद मां गंगा शांत रूप में पृथ्वी पर अवतरित हुई और राजा भागीरथ के पूर्वजों का उद्धार किया। इसी कारण गंगा को ह्यभागीरथी नाम से भी जाना जाता है।

राजा भागीरथ की कठोर तपस्या और गंगा अवतरण की यह कथा भारतीय संस्कृति में तप, त्याग और लोक कल्याण का प्रतीक मानी जाती है। यह कथा हमें सिखाती है कि सच्ची निष्ठा, धैर्य और तपस्या से असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं।

भारतीय संस्कृति और आस्था में गंगा का स्थानभारतीय सनातन संस्कृति में गंगा केवल जलधारा नहीं बल्कि आध्यात्मिक चेतना और जीवनशक्ति का प्रतीक हैं। ऋषि-मुनियों से लेकर सामान्य जन तक, हर व्यक्ति गंगा को मां के रूप में पूजता है। गंगा के तटों पर सदियों से सभ्यता, संस्कृति, धर्म और ज्ञान का विकास हुआ है।

गंगा मनुष्य के जीवन, संस्कार और आस्था से गहराई से जुड़ी हुई हैं। जन्म से लेकर मृत्यु तक हिंदू धर्म के अधिकांश संस्कारों में गंगाजल का विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि गंगा जल अमृत के समान पवित्र होता है और इसकी एक बूंद भी आत्मा को शुद्ध करने की क्षमता रखती है।

धार्मिक मान्यता यह भी है कि गंगा स्नान से मनुष्य के पापों और संतापों का नाश होता है तथा उसे मानसिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त होती है। इसलिए गंगा दशहरा पर श्रद्धालु गंगा तटों पर स्नान कर मां गंगा का पूजन करते हैं।

गंगा दशहरा पर क्या करेंगंगा दशहरा के दिन प्रातःकाल ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करना शुभ माना जाता है। यदि संभव हो तो गंगा नदी में स्नान करें, अन्यथा घर में स्नान के जल में गंगाजल मिलाकर स्नान किया जा सकता है। इसके बाद मां गंगा की पूजा कर दीप, धूप, पुष्प, दूध और अक्षत अर्पित किए जाते हैं। इस दिन दान-पुण्य का विशेष महत्व बताया गया है। श्रद्धालु जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र, जल, फल, छाता, सत्तू और शीतल पेय का दान करते हैं। इसके अलावा गंगा स्तोत्र, गंगा चालीसा और मंत्रों का जाप भी अत्यंत फलदायी माना गया है। धार्मिक परंपराओं के अनुसार इस दिन पीपल, तुलसी और अन्य पवित्र वृक्षों की पूजा करना भी शुभ माना जाता है। कई श्रद्धालु गंगा तट पर दीपदान कर मां गंगा से सुख, समृद्धि और परिवार की मंगलकामना करते हैं।

गंगा दशहरा का आध्यात्मिक और सामाजिक संदेशगंगा दशहरा केवल धार्मिक पर्व नहीं बल्कि मानव जीवन को शुद्धता, सेवा, करुणा और सदाचार का संदेश देने वाला उत्सव है। मां गंगा हमें यह प्रेरणा देती हैं कि जीवन में निरंतर प्रवाह, पवित्रता और परोपकार बना रहना चाहिए।

आज के समय में गंगा केवल आस्था का विषय नहीं बल्कि पर्यावरण और जीवन संरक्षण का भी आधार हैं। गंगा और अन्य नदियों की स्वच्छता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। गंगा दशहरा का पर्व हमें यह संदेश भी देता है कि जिस नदी को हम मां का दर्जा देते हैं, उसकी स्वच्छता और पवित्रता बनाए रखना हमारा कर्तव्य है।

धार्मिक मान्यता है कि गंगा दशहरा के दिन श्रद्धा से व्रत, स्नान और पूजा करने पर व्यक्ति के सभी मनोरथ पूर्ण होते हैं। मां गंगा की कृपा से अष्ट सिद्धियों और नव निधियों की प्राप्ति होती है तथा जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। यही कारण है कि करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए यह पर्व आस्था, भक्ति और आत्मिक शुद्धि का महापर्व माना जाता है।

वृद्धों के दिशा-दर्शन में ही युवकों की गति उपयोगी

वृद्धावस्था स्वाभाविक है लेकिन हिन्दू–परम्परा के अनुसार 'देवता' वृद्ध नहीं होते। देवताओं पर समय का प्रभाव नहीं पड़ता। ऋग्वेद (6.24.7) में कहते हैं, संवत्सर 'इन्द्र' को क्षीण नहीं कर सकते। मास भी इन्द्र को क्षीण नहीं कर सकते और दिन भी।₹ कालचक्र भी क्षीण–जीर्ण नहीं होता।

हृदयनारायण दीक्षित

जीवन की साँझ' भी आती है। संध्या आती है प्रतिदिन। सभी प्राणी घर लौटते हैं। सूर्य अस्त होते हैं। इसी तरह 'वृद्धावस्था' जीवन की साँझ है। यह अचानक नहीं आती। धीरे-धीरे 'जीवन-ऊर्जा' घटती है। शरीर क्षीण होता है। मन और शरीर का संगीत टूटता है। मन कहता है-नाचें। गतिशील रहें। चरेवैति-चरेवैति। चलते रहें। 'गति' ऋषि-आह्वान है। मन करता है कि इसी के अनुसार चलते रहें लेकिन शरीर शिथिल और लाचार होता है। तब झिलमिल तारों की आकाशगंगा के दर्शन 'आनन्द' नहीं देते। नदियाँ प्रवाहमान हैं, गतिशील हैं। उनके 'नाद' आनन्दित करते हैं। धीरे-धीरे नाद की ध्वनि मद्धिम होती है। श्रवण-शक्ति कम होती है। स्मृति भी क्षीण होती है इसलिए सभी वृद्ध तरुणाई की स्मृतियों में रस लेते हैं। वर्तमान 'भूत' होता है प्रतिपल। 'भूत-अनुभूत' है सबके भीतर। जरामरण सारभूत हैं। यह जीवन का ध्रुव और अटल सत्य है। महाभारत के यक्ष प्रश्न और युधिष्ठिर के उत्तर सामने हैं। 'मृत्यु' सत्य है लेकिन लोग इस सत्य को स्वीकार नहीं करते। 'वृद्ध' होना भी जीवन का पीड़ादायी सत्य है। शरीर भी फल की तरह पकता है। पहले खट्टा होता है फल। फिर धीरे-धीरे रसवान होता है। मधुवान होता है। गन्धवान होता है। 'पक्षी' फलवान-मधुवान वृक्षों पर गीत गाते हैं। पूरा पका फल एक दिन टहनी-डंठल से अलग हो जाता है। ऋग्वेद के ऋषि-कवि ने त्रयम्बकदेव से स्तुति की है, ₹हम त्रयम्बक रुद्र का ध्यान करते हैं। वे पोषणदाता हैं। वे पककर अलग हो जाने वाले ककड़ी-खीरा की तरह हमको मृत्यु बन्धन से अलग करें। मुक्त करें।₹

वृद्धावस्था स्वाभाविक है लेकिन हिन्दू-परम्परा के अनुसार 'देवता' वृद्ध नहीं होते। देवताओं पर समय का प्रभाव नहीं पड़ता। ऋग्वेद (6.24.7) में कहते हैं, ₹संवत्सर 'इन्द्र' को क्षीण नहीं कर सकते। मास भी इन्द्र को क्षीण नहीं कर सकते और दिन भी।₹ कालचक्र भी क्षीण-जीर्ण नहीं होता। यह अजर-अमर है। ऋग्वेद (1.16.4.11) में कहते हैं, ₹सूर्य का बारह अरों वाला चक्र द्युलोक के चारों ओर घूमता है और कभी जीर्ण नहीं होता।₹ वृद्धावस्था दुःख देती है। इसकी कठिनाइयों से वैदिक ऋषि सजग थे। विवाह के समय 'वर' वधू से कहता है, ₹तू मुझ पति के साथ वृद्धावस्था-पर्यंत साथ रहना।₹ (10.85.36) वृद्धावस्था कष्टदायी है। शरीर जीर्ण होता है। इन्द्र से स्तुति है, ₹विद्वानों को धन दीजिए। वे वृद्धावस्था तक ऐश्वर्यशाली रहें।₹ सुखद जीवन और सुखद वृद्धावस्था की इच्छा वेदों में प्रकट हुई है। ऋग्वेद में स्तुति है, ₹हम दीर्घजीवी रहें। कल्याणमय सुखद जीवन प्राप्त करें। वृद्धत्व सुखमय हो।₹ (10.37.6) वेदों में 100 शरद की जीवन-अभिलाषा है। इस अभिलाषा में स्वस्थ शरीर की इच्छा भी है। आँख, कान सहित सभी अंगों के पुष्ट रहने की भी स्तुति है। केनोपनिषद के शान्तिपाठ में कहते हैं, ₹आप्यायन्तु माँगानि वाक, प्राण, चक्षु (आँखें) श्रोत्रम। बलम इन्द्रियाणि च सर्वाणि मेरे सभी अंग वाणी, प्राण, आँखें, कान, बल-परिपुष्ट हों। जीवन का अवसान सत्य है। वृद्धावस्था जीवन-अवसान की तैयारी है। वृद्ध होना शरीर का स्वभाव है। 'स्वभाव' प्राकृतिक है। शरीर निःस्सन्देह कमजोर होता है लेकिन वृद्धावस्था का अपना सौन्दर्य है। यह नई भूमिका की प्रतीक्षा है। 'मृत्यु' जीवन का अन्त है। अन्तिम सत्य है। इसके पहले वृद्धावस्था है। जीवन-ऊर्जा का अवसान है। प्रश्न अनेक हैं। क्या मृत्यु दुःख देती है या नहीं देती? यह प्रश्न अनुत्तरित है। मृत्यु का अनुभव अज्ञात है लेकिन वृद्धावस्था के कष्ट सर्वविदित हैं। हिन्दू दार्शनिकों ने 'जरा' (वृद्धावस्था) और 'मृत्यु' को दुःखदायी बताया है। बुद्ध की कथा में भी वृद्ध-दर्शन की अनुभूति है। ऋग्वेद में 100 शरद् जीवन की स्तुति है। दीर्घ जीवन पर्याप्त नहीं है। दीर्घ जीवन के साथ स्वस्थ शरीर भी जरूरी है इसलिए इस स्तुति में 'पश्येम शरदः शतं'-100 वर्ष देखने की भी इच्छा है। दीनहीन न होने की भी स्तुति है। वृद्धावस्था में दृष्टि सहित अधिकांश इन्द्रियाँ काम नहीं करतीं।

बुढ़ापे के कष्टों की ओर वैदिक समाज का ध्यान गहरा है। जीवन अमूल्य है। वृद्ध हमारे समाज का अनुभव-समृद्ध भाग हैं। उनके जीवन को कष्टरहित बनाना समाज का कर्तव्य है। हिन्दू-चिन्तन में वृद्धों की सेवा उनके पुत्रों-पौत्रों का प्रथम वरीयता वाला दायित्व है। यह राष्ट्र-राज्य का भी कर्तव्य है। राष्ट्र-राज्य सतर्क है। इस पर कानून भी है लेकिन आधुनिक समाज इस समस्या पर सजग नहीं है। वृद्ध संरक्षक-अभिभावक 'जीवन की साँझ' में दुःखी हैं।

आयुर्वेद के महत्वपूर्ण ग्रन्थ 'शारंगधर संहिता' में मनुष्य-शरीर के भाव-क्षरण का सुन्दर उल्लेख है। लिखा है कि ₹प्रत्येक 10 वर्ष बाद भाव-हास के लाक्षणिक परिवर्तन आते हैं। जीवन के पहले 10 वर्ष में मनमौजी बाल्यावस्था का ह्रास होता है, फिर अगले 10 वर्ष में वृद्धि का ह्रास होता है। शरीर की वृद्धि रुक जाती है। शारीरिक विकास स्थगित हो जाता है, फिर अगले 10 वर्ष में कान्ति या चेहरे की दीप्ति का ह्रास। आगे के 10 वर्ष में धारणा का ह्रास होता है। 5वें दशक में सौन्दर्य का ह्रास और छठे में दृष्टि का ह्रास बताया गया है। 7वें दशक में ऊर्जाबल का ह्रास, फिर पराक्रम और बुद्धि का ह्रास होता है।₹

आधुनिक चिकित्सा-विज्ञान ने इस ह्रास को घटाया है लेकिन प्रकृति के नियम अपना काम करते ही हैं। वृद्ध होना सबकी नियति है। 'बुढ़ापा' अभिशाप नहीं है। बीमारियों की बात अलग है। वैसे वृद्धों के पास संसार के जीवन्त अनुभवों का कोष होता है। वे आदरणीय हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाले चिन्तन और निष्कर्ष निःस्सन्देह भौतिक रूप में सही होते हैं लेकिन माता-पिता व वरिष्ठों से आत्मीयता की व्याख्या वैज्ञानिक दृष्टिकोण से ही सम्भव नहीं है। वरिष्ठों से हमारे रिश्ते अव्याख्येय हैं। वैदिककाल में इन रिश्तों की अद्वितीय स्थापना है। ऋग्वेद के रचना काल से लेकर रामायण-महाभारत होते हुए आधुनिक काल तक इन रिश्तों की प्रीति-ऊष्मा एक जैसी है। इनका समाज-विज्ञान अनूठा है। वैदिक संस्कृति में माता-पिता 'देवता' हैं। दुनिया के किसी भी देश की संस्कृति व सभ्यता में अदृश्य ईश्वर या मान्य देवों से 'माता' या 'पिता' बड़े नहीं हैं लेकिन भारत में माता-पिता सुस्थापित देवों से भी बड़े हैं। आधुनिक समाज में वरिष्ठों के प्रति श्रद्धा का अभाव है।

अधिकमास वरदा चतुर्थी व्रत से जीवन के विघ्न होते हैं दूर

आज अधिकमास वरदा चतुर्थी व्रत है, हिन्दू धर्म में इस व्रत को बहुत पवित्र माना जाता है। अधिकमास वरदा चतुर्थी व्रत से जीवन में सुख समृद्धि आती है तो आइए हम आपको अधिकमास वरदा चतुर्थी व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं।

जानें अधिकमास वरदा चतुर्थी के बारे में

अधिकमास वरदा चतुर्थी व्रत भगवान गणेश को समर्पित एक अत्यंत शुभ और पवित्र तिथि मानी गई है, क्योंकि यह अधिक मास की शुक्ल चतुर्थी को पड़ती है। इसे वरद चतुर्थी या वरद विनायक चतुर्थी के नाम से भी कहते हैं। इस साल यह त्योहार बुधवार 20 मई को पड़ रहा है। यह दिन 'वरदा' अर्थात वरदान देने वाला माना गया है इसलिए इस दिन यदि आप गणेश जी की पूजा में इस मंत्रों के जप द्वारा उसकी विशेष कृपा प्राप्त कर सकते हैं।

अधिकमास वरदा विनायक चतुर्थी का शुभ मुहूर्त

अधिकमास की वरदा चतुर्थी 19 मई 2026 को दोपहर 2 बजकर 18 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन 20 मई 2026 को सुबह 11 बजकर 06 मिनट पर समाप्त होगी।

चतुर्थी मध्याह्न मुहूर्त - सुबह 10:56 - सुबह 11:06

वर्जित चंद्रदर्शन का समय - सुबह 8.43 - रात 11.08

इसलिए खास है अधिकमास वरदा विनायक चतुर्थी व्रत

पंडितों के अनुसार इस मास को ₹अतिशय पुण्यप्रद मास₹ कहा गया है, इसीलिये इसमें किया गया गणपति व्रत सहस्त्र गुणा पुण्यदायी होता है। ये व्रत समस्त प्रकार की समस्याओं से मुक्त कर उन्हें सुख, शान्ति एवं समृद्धि प्रदान करता है। ग्रंथों के अनुसार मलमास की चतुर्थी व्रत का पालन करने से व्यक्ति के पूर्वजन्म के दोष और वर्तमान जीवन के विघ्न दूर होते हैं। ये व्रत साधक के लौकिक और पारलौकिक, दोनों तरह के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है. साथ ही इसके प्रताप से पितृगणों एवं देवताओं की तृप्ति भी होती है।

अधिकमास वरदा विनायक चतुर्थी व्रत के दिन ऐसे करें पूजा, होगा लाभ

पंडितों के अनुसार वरदा चतुर्थी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ लाल या पीले वस्त्र पहनें। इसके बाद पूजा स्थान को शुद्ध करके चौकी पर भगवान गणेश की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें। पूजा के दौरान गणपति बप्पा को सिंदूर का तिलक अर्पित करें, क्योंकि यह उन्हें अत्यंत प्रिय माना जाता है। गणेश जी की पूजा में दूर्वा का विशेष महत्व बताया गया है, पूजा करते समय ह्लॐ गं गणपतये नमःह्व मंत्र का उच्चारण करते हुए 21 दूर्वा दल अर्पित करें। इसके बाद भगवान गणेश को मोदक या उनके प्रिय मिठाई का भोग लगाएं, विधि-विधान से विघ्नहर्ता गणेश की आराधना करें और अंत में आरती उतारें। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वरदा चतुर्थी का व्रत करने से घर में सुख-शांति, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। इस दिन गणेश पूजन के बाद ब्राह्मण या जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन कराना और अपनी क्षमता अनुसार दान देना शुभ माना जाता है। पंडितों के अनुसार ह्लॐ गणेशाय नमःह्व मंत्र का जाप करने से आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं और स्वास्थ्य संबंधी कष्टों में भी राहत मिलती है।

अधिकमास वरदा विनायक चतुर्थी व्रत पर गणेश जी को सिंदुर चढ़ाने का मंत्र

सिन्दूरं शोभनं रक्तं सौभाग्यं सुखवर्धनम् ।
शुभदं कामदं चैव सिन्दूरं प्रतिगृह्यताम् ॥

शास्त्रों के अनुसार धार्मिक दृष्टि से सिंदूर ऊर्जा और शक्ति का प्रतीक माना जाता है। गणेश जी को सिंदूर अर्पित करने से मानसिक शक्ति और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है।

पंडितों के अनुसार अधिकमास वरदा विनायक का हिन्दू धर्म में विशेष महत्व है इसलिए वरदा चतुर्थी पर दिनभर उपवास (व्रत) रखतें हैं और मध्याह्न (दोपहर) में गणेश जी की पूजा करें।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

भीषण गर्मी में राहगीरों के लिए झील परिसर में सत्तू वितरण की शुरूआत

हजारीबाग : स्वास्थ्य एवं पर्यावरण समिति, हजारीबाग की ओर से रविवार को मानव सेवा एवं जनहित में एक सराहनीय पहल की गई। समिति ने झील परिसर स्थित कार्यालय के समक्ष राहगीरों एवं आम नागरिकों के लिए सत्तू वितरण कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम के तहत लोगों को सत्तू पिलाकर गर्मी से राहत पहुंचाने का प्रयास किया गया, जिसकी स्थानीय नागरिकों ने खूब सराहना की।भीषण गर्मी के बीच समिति की यह पहल राहगीरों एवं जरूरतमंद लोगों के लिए राहत का माध्यम बन रही है। स्थानीय लोगों ने समिति के इस सेवा कार्य को मानवता एवं सामाजिक दायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से समाजसेवी सह भाजपा नेता सुदेश चंद्रवंशी, शिक्षाविद जयप्रकाश जैन, डॉटी मैत्रा, अध्यक्ष अरुण कुमार वर्मा, सचिव शैलेश चंद्रवंशी, प्रमोद कुमार, विशेष आमंत्रित सदस्य देवेंद्र जैन देबू, मेहुल खंडेलवाल,हर्ष सिन्हा,भोला भगत, राकेश गुप्ता, मीरा मेहता, बीपी सिंह,दिनेश नाटाणी, सरदार सतपाल सिंह,रौनक सिंहा ,सुनील पांडे सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

राधानगर थाना में आमजनों के लिए लगाया गया प्याऊ

साहिबगंज/उधवा : भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप से लोगों को राहत दिलाने के उद्देश्य से राधानगर थाना परिसर में आमजनों के लिए शीतल पेयजल की व्यवस्था की गई है। थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज की पहल पर लगाए गए इस प्याऊ से राहगीरों, स्थानीय लोगों एवं थाना आने वाले लोगों को गर्मी में काफी राहत मिल रही है। थाना परिसर के बाहर लगाए गए प्याऊ में मिट्टी के घड़े में ठंडे पानी की व्यवस्था की गई है, जहां लोग रुककर अपनी प्यास बुझा रहे हैं। तेज धूप और बढ़ते तापमान के बीच पुलिस की इस मानवीय पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना की है। खासकर राहगीरों और छोटे बच्चों को इससे काफी सुविधा मिल रही है। इस दौरान थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए आम लोगों की सुविधा के लिए यह व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस सिर्फ कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज सेवा भी पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। गर्मी के मौसम में राहगीरों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराना एक छोटा लेकिन मानवीय प्रयास है। उन्होंने लोगों से गर्मी में सावधानी बरतने, अधिक पानी पीने तथा जरूरी होने पर ही धूप में निकलने की अपील की।

बकरीद के दौरान प्रतिबंधित जानवरों की कुबार्नी पर रोक रहेगी : बीडीओ

साहिबगंज : आगामी बकरीद पर्व को सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर रविवार को मुफस्सिल थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता सदर एसडीपीओ साहिबगंज सुशील कुमार ने किया।वही बैठक का नेतृत्व साहिबगंज सदर बीडीओ बासुकीनाथ टुडू एवं मंडरो अंचल अधिकारी संजय शुक्ला एवम नगर प्रभाग इंस्पेक्टर अमित कुमार गुप्ता कर रहे थे।उक्त बैठक में सदर एसडीपीओ साहिबगंज ने लोगों को कहा कि बकरीद पर्व के दौरान प्रतिबंधित जानवरों की कुबार्नी पर पूरी तरह रोक रहेगी।उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि कुबार्नी के बाद बचे अवशेषों को उचित स्थान पर रखें,ताकि स्वच्छता एवं शांति व्यवस्था बनी रहे।उन्होंने यह भी कहा कि असामाजिक तत्वों एवं सोशल मीडिया पर प्रशासन की पैनी नजर रहेगी।पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने या अशांति पैदा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उसी दौरान सदर प्रखंड बीडीओ ने क्षेत्रवासियों से आपसी भाईचारे एवं शांतिपूर्ण वातावरण में बकरीद पर्व मनाने की अपील की।इस मौके पर नगर थाना इंस्पेक्टर अमित कुमार, मुफस्सिल थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडेय,एसआई अखिलेश कुमार ,एएसआई उमाकांत ओझाएएसआई रविन्द्र यादव,पूर्व जिला परिषद यारानुलहक उर्फ गोले,पूर्व उपप्रमुख ब्रह्मदेव यादव,मो हनान,मनोज यादव,दारा सिंह यादव,किरण देवी समेत दर्जनों बुद्धिजीवी लोग उपस्थित थे।

मुफस्सिल थाना परिसर में आम जनता के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था शुरू

साहिबगंज : राज्य में पड़ रही अत्यधिक गर्मी और भीषण लू को देखते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की संवेदनशीलता और साहिबगंज पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह के निदेर्शानुसार स्थानीय मुफस्सिल थाना परिसर में आम जनता के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था शुरू की गई है।इस पहल का उद्देश्य तपती धूप में सफर करने वाले राहगीरों और ग्रामीणों को राहत पहुँचाना है।मुफस्सिल थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडेय ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि बढ़ती गर्मी को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के आदेश पर थाना परिसर में आने वाले आगंतुकों के साथ-साथ आम राहगीरों के लिए भी पेयजल का मुकम्मल इंतजाम किया गया है।मुफस्सिल थाना मेन गेट के सामने से गुजरने वाले ग्रामीणों,राहगीरों और वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि इस भीषण गर्मी में जब भी लोगों को प्यास लगे और वे मुफस्सिल थाना के आसपास हों,तो वे बिना किसी संकोच के परिसर के भीतर आकर पानी पी सकते हैं।पुलिस प्रशासन की इस मानवीय पहल की स्थानीय ग्रामीणों और बुद्धिजीवियों द्वारा काफी सराहना की जा रही है।

सभी ग्रुप एडमिन दो दिनों तक व्हाट्सएप ग्रुप को ओनली एडमिन रखेंगे : एसडीपीओ

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : थाना परिसर में बकरीद का पर्व कों लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल ने समाज के सभी वर्गों से अपील किया है। कि वे त्योहार को मिल-जुलकर मनाएं और किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल की तैनाती, गश्त बढ़ाने और असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने का निर्देश बरहरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह को दिया है। त्योहार के दौरान बिजली, पानी, साफ-सफाई और ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए स्थानीय प्रशासन को निर्देशित किया जाता है। साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर भड़काऊ या भ्रामक पोस्ट शेयर न करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने का आग्रह आमजनों से किया है। वहीं बरहरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह ने बरहरवा वासियों से अपील किया है कि बकरीद के मौके पर सभी ग्रुप एडमिन दो दिनों तक व्हाट्सएप ग्रुप को ओनली एडमिन रखेंगे। मौके पर मुख्य रूप से प्रखंड उप प्रमुख अब्दुल कादिर, नगर उपाध्यक्ष राजकुमार भगत, कार्यपालक पदाधिकारी दीपक कुमार, कुशमाकर तिवारी,दिलीप डोकानियां, नैहाल अख्तर,उत्तम भगत, थॉमस रॉबर्ट, मोहम्मद इकबाल, अनंत लाल भगत, मनोहर चौहान सहित अन्य मौजूद रहे।

ट्रांसफार्मर खराब होने से 100 घरों की बिजली आपूर्ति ठप भीषण गर्मी में लोग परेशान

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड क्षेत्र के चांदशहर पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या 5 में ट्रांसफार्मर के अचानक खराब होने से करीब 100 घरों की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है। भीषण गर्मी के बीच बिजली बाधित रहने से लोगों का जनजीवन प्रभावित हो गया है। समस्या को लेकर ग्रामीणों ने स्थानीय समाज सेवियों के माध्यम से रविवार को विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल कार्यालय पहुंचकर सहायक विद्युत अभियंता को आवेदन सौंपते हुए नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि वार्ड संख्या 5 में लगा 63 केवीए का ट्रांसफार्मर अचानक खराब हो गया, जिसके कारण पूरे इलाके में अंधेरा छा गया है। उक्त ट्रांसफार्मर से लगभग 100 घरों में बिजली आपूर्ति होती थी। बिजली बंद रहने से लोगों को उमस भरी गर्मी में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। घरों में लगे पंखे, कूलर एवं अन्य विद्युत उपकरण बंद पड़े हैं, जबकि बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। ग्रामीण मैजुल शेख, राजीव शेख, खुर्शीद खान, समूल शेख, इसराफिल शेख, मोजाहिर शेख, हिदायत शेख, मनारुल शेख, अफसर शेख एवं लालू शेख समेत अन्य लोगों ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से क्षमता से अधिक लोड रहने के कारण बार-बार बिजली संबंधी समस्याएं उत्पन्न होती रहती हैं। ग्रामीणों ने विभाग से जल्द नया 100 केवीए क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी समस्या दोबारा उत्पन्न न हो। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रांसफार्मर खराब होने की सूचना स्थानीय विधायक सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी नेताओं को भी दी गई है।

विधवा महिला के साथ मारपीट नगदी-जेवर छीनने का आरोप

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के कटहलबाड़ी नया टोला में एक विधवा महिला के साथ मारपीट जानलेवा हमला एवं नगदी जेवर छीनने का मामला सामने आया है। मामले को लेकर पीड़िता देवश्री घोष ने राधानगर थाना में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले में कांड संख्या 175/26 दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसके पति स्वर्गीय टुनी कुमार घोष की करीब 10 वर्ष पूर्व मृत्यु हो चुकी है। पति की मौत के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा उसे घर से निकालने की साजिश रची जा रही है। उसने आरोप लगाया कि हाल ही में मायके फरक्का जाने के दौरान उसके ससुर एवं भैसुर ने मिलकर घर में बने बाथरूम को तोड़ दिया। इसकी सूचना राधानगर थाना पुलिस को दी गई थी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची थी। आरोप है कि 23 मई की सुबह करीब 9 बजे वापा घोष, मुनी घोष, छोटन घोष एवं छेदु घोष ने मिलकर उसके साथ गाली गलौज और मारपीट की। इस दौरान मुनी घोष ने हसुआ से गर्दन पर वार कर दिया। जिससे वह घायल हो गई। वहीं छोटन घोष बाल पकड़कर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार उसका छोटा पुत्र सायन घोष बचाने आया तो उसके साथ भी मारपीट की गई। घटना के बाद किसी तरह जान बचाकर पीड़िता थाना पहुंची, जहां से उसे इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल भेजा गया। इलाज के बाद घर लौटने पर पीड़िता ने आरोप लगाया कि घर में रखे 40 हजार रुपये नकद एवं सोने के जेवरात गायब थे। साथ ही आरोपियों ने घर में ताला लगाकर उसे बच्चों समेत घर से निकाल देने की धमकी दी। इधर राधानगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हजारीबाग से 30 सदस्सीय टीम साहिबगंज बिजली घाट आ गयी है : प्रवीण

संवाददाता

साहिबगंज : गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर लगातार नवमें वर्ष भी बिजली घाट साहिबगंज पर गंगा बचाओ प्रकृति बचाओ टीम के द्वारा आयोजन किया जायेगा।25 मई को न्यास द्वारा घाट सफाई का कार्य किया जायेगा एवं 26 मई को प्रातः काल पूजन,गंगा स्नान के पश्चात 07:00 बजे से स्विर के महा भोग का वितरण भक्तों के बीच किया जायेगा।इस दो दिवसीय आयोजन को सफल बनाने को लेकर हजारीबाग से 30 सदस्सीय टीम साहिबगंज बिजली घाट आ गयी है।मुक्तेश्वर धाम के संत राम बाबा की अगुवाई में भोग वितरण होगा।जिले के वरीय पदाधिकारियों और सज्जनों को भी आमंत्रित किया गया है।न्यास की ओर से उक्त जानकारी कोषाध्यक्ष प्रवीण पाण्डेय,झारखण्ड प्रदेश प्रभारी ज्ञानदीप ने मिडिया को दी।वीप में केन्द्रीय अध्यक्ष मिथलेश पांडेय,सचिव भोला महतो न्यासी लक्ष्मण पाण्डेय, सुनील यादव,मोहन यादव,आनद पाण्डेय गोपाल गुप्ता राहुल मेहता,सन्नी सोनकर,दीपक कुमार,राम अभिषेक,मुंशी महतो पंकज गुप्ता,बब्लु यादव,बिष्टु वर्मा,इत्यादि शामिल है।

हजारीबाग बना राष्ट्रीय शतरंज का हब

संवाददाता

हजारीबाग : शतरंज के मोहरों की चाल और दिमाग की धार इन दोनों का अद्भुत संगम पिछले नौ दिनों तक हजारीबाग में देखने को मिला। हजारीबाग डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित ऑल इंडिया फाइड रेटिंग क्लासिकल शतरंज प्रतियोगिता 2026 का भव्य समापन रविवार को हुआ। इस महाकुंभ ने न केवल हजारीबाग को राष्ट्रीय पटल पर पहचान दिलाई, बल्कि खेल प्रेमियों को यादगार लम्हे भी दिए।

प्रतियोगिता का दूसरा चरण

प्रतियोगिता के दूसरे चरण में, जो विशेष रूप से 1800 से कम फाइड रेटिंग वाले खिलाड़ियों के लिए था, रोमांच अपने चरम पर रहा। झारखंड के उभरते सितारे अभिनव सिंह ने शानदार खेल दिखाते हुए 8 अंकों के साथ प्रतियोगिता का ताज अपने नाम किया। उन्हें 50,000 रुपये नकद और ट्रॉफी से नवाजा गया। वहीं, एआईएम मनदीप मुखी 7 अंकों के साथ दूसरे और पश्चिम बंगाल के संजीब माली तीसरे स्थान पर रहे।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद बार एसोसिएशन के सचिव सुमन कुमार सिंह ने कहा कि यह आयोजन न केवल हजारीबाग के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह युवाओं को सकारात्मक दिशा में प्रेरित करने वाला एक बड़ा कदम है प्रतियोगिता के निदेशक करण जायसवाल ने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि करार देते हुए कहा कि हजारीबाग अब राष्ट्रीय शतरंज आयोजनों का उभरता हुआ केंद्र बन चुका है। संघ सचिव मनमीत अकेला ने खिलाड़ियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि खिलाड़ियों की सहभागिता ने इसे एक महाकुंभ का स्वरूप दे दिया। प्रतियोगिता में

बेस्ट फीमेल मे बिहार की अदीबा उल्लाह ने बाजी मारी

बेस्ट हजारीबाग खिलाड़ी में पवन कुमार वर्मा का दबदबा रहा।वेटरन श्रेणी 55 बर्ष से अधिक आयु में गौतम डे प्रथम रहे। अंडर-07 से लेकर अंडर-15 तक के नन्हे खिलाड़ियों ने अपनी रणनीतियों से बड़े-बड़े दिग्गजों को चौंकाया। सन्तजेवियर की अविका सिंह को भी पुरस्कृत किया गया। नौ दिनों तक चले इस टूनार्मेंट में कुल 668 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। पहले सत्र में 272 और दूसरे सत्र में 396 खिलाड़ियों ने अपनी चालों से जीत की इबारत लिखी। प्रतियोगिता के सफल संचालन में मुख्य निर्णायक विशाल मिंज की भूमिका अहम रही। वहीं, आयोजन को सफल बनाने में अध्यक्ष विजय कुमार सिंह, सचिव मनमीत अकेला, बृजेश कुमार, सुमन जायसवाल, कोषाध्यक्ष राजन शाह और कुश पांडे समेत पूरी आयोजन समिति दिन-रात जुटी रही।

आगे की योजना

समापन समारोह में विजेताओं को ट्रॉफी और नकद पुरस्कार प्रदान किए गए, जिसके साथ ही हजारीबाग में शतरंज का यह महाकुंभ यादगार यादों के साथ संपन्न हुआ। आने वाले समय में और भी बड़े आयोजन करने का संकल्प आयोजकों ने लिया है।

पुलिस ने आम नागरिकों के लिए जगह- जगह लगाया प्याऊ केंद्र

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : बढ़ती गर्मी को देखते हुए झारखंड सरकार के आह्वान पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने लोगों को राहत पहुँचाने के लिए राज्य भर में अधिकारियों को शहर के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों में शुद्ध पेय जल की व्यव्यथा करने के निर्देश दिए है।जिस पर झारखंड पुलिस ने आदेश का अनुपालन के साथ मानवता की मिसाल पेश की है।इससे लोगों को राहत तो मिलेगी ही साथ ही सामाजिक दृष्टिकोण से पुलिस पब्लिक के आपसी समनब्यय को भी बढ़ावा मिलेगा। मौसम के मिजाज और भीषण गर्मी में लोगों को राहत पहुँचने के लिए प्रत्येक प्रखंड व थाना क्षेत्र में विशेष शुद्ध पेयजल प्याऊ की व्यव्स्था कराने के आह्वान पर झारखंड पुलिस ने कुछ ही घंटों में धरातल पर व्यव्स्था को सुनिश्चित किया है,सबसे पहले इसका असर साहिबगंज जिला अंतर्गत देखने को मिला साहिबगज जिला अंतर्गत बरहरवा अमुमण्डल पुलिस पदाधिकारी नितिन खंडेलवाल ने प्रभाग के सभी थाना प्रभारीयों को निर्देशित किया जिसके अनुरूप बरहरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह,रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार,कोटालपोखर थाना प्रभारी पवन कुमार एवं बरहेट थाना प्रभारी चंदन कुमार भैया ने प्रत्येक सार्वजनिक स्थानों में दो दो मिट्टी के मटके एवं ग्लास की व्यवस्था शहर में जगह जगह कराते हुए लोगों से अपील भी की है कि भीषण गर्मी में इस सेवा का जरूर लाभ उठाएं।व्यव्यस्था को सुचारू रूप से संचालित रखने के निर्देश अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नितिन खंडेलवाल ने कहा कि साहेबगंज पुलिस द्वारा जगह जगह ठण्डा शुद्ध पेय जल प्याऊ की व्यव्यस्था कराई गई है,साथ ही मटको की नियमित साफ -सफाई और पानी भरने के लिए विभाग के कर्मियों को निर्देशित किया गया है,इस सेवा का उद्देश्य है कि दूर - दूर ग्रामीण क्षेत्रों से शहर में आने वाले ग्रमीणों को शुद्ध और शीतल पेयजल का लाभ मिल सके।

चाय दुकान पर युवक के साथ मारपीट, पांच पर प्राथमिकी दर्ज

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के दक्षिण बेगमगंज पंचायत के मुंशी टोला गांव के एक व्यक्ति के साथ मारपीट एवं जानलेवा हमला करने का मामला प्रकाश में आया है। मामले को लेकर राधानगर थाना में पांच लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के मुंशी टोला निवासी असमद शेख ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया है कि शनिवार की रात करीब आठ बजे वह बेगमगंज मदरसा मोड़ के समीप स्थित एक चाय दुकान में चाय पीने गए थे। इसी दौरान वहां मौजूद नईम शेख ने उनके साथ अश्लील गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर नईम शेख ने जान से मारने की धमकी दी।पीड़ित ने आरोप लगाया कि इसके बाद नईम शेख के साथ बदरुद्दीन शेख, तरीकुल शेख, समीउल शेख एवं सिद्धिक शेख एकजुट होकर लाठी-डंडा, हंसुआ एवं फरसा लेकर मारपीट करने लगे। इस दौरान तरीकुल शेख ने जान मारने की नीयत से फरसा से सिर पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोप है कि मारपीट के दौरान सिद्धिक शेख ने पीड़ित के पॉकेट में रखे 10 हजार रुपये भी निकाल लिए। घटना के दौरान आसपास मौजूद ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर किसी तरह पीड़ित को बचाया। इधर, राधानगर थाना पुलिस ने पीड़ित के बयान पर कांड संख्या 176/26 के तहत पांचों आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

मोहित सूरी ने किया खुलासा...

छह साल की उम्र से ही स्टार बनना चाहती थीं आलिया भट्ट

मोहित सूरी, जो आशिकी 2, कलयुग और एक विलेन जैसी फिल्मों के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी चचेरी बहन और अभिनेत्री आलिया भट्ट के साथ अपने खास रिश्ते के बारे में बताया। उन्होंने आलिया के बचपन की कुछ दिलचस्प यादें साझा कीं।

एक खबर के अनुसार, मोहित ने बताया कि आलिया छह साल की उम्र से ही अभिनेत्री बनना चाहती थीं और बहुत कम उम्र में ही उनकी प्रतिभा दिखने लगी थी। उन्हें फिल्में, संगीत और अभिनय से बहुत प्यार था। मोहित ने 2005 की एक घटना का जिक्र किया, जब उनकी फिल्म जहर का एक रीमिक्स म्यूजिक वीडियो रिलीज हुआ था। उस समय आलिया ने ही अपने पिता महेश भट्ट को समझाया था कि यह युवाओं को बहुत पसंद आएगा। मोहित ने आलिया को सुपर कमर्शियल बताया, जो हमेशा से जानती थीं कि दर्शकों को क्या पसंद आएगा। मोहित ने एक पारिवारिक डिनर की याद भी साझा की, जब आलिया 8-9 साल की थीं। मोहित ने उनकी तस्वीर लेने की कोशिश की, तो आलिया ने तुरंत अपनी डिंपल वाली साइड दिखाई और कहा कि वह सही साइड से फोटो ले रहे हैं। मोहित ने कहा कि आलिया को हमेशा से पता था कि वह एक स्टार बनेंगी। मोहित अब अपनी नई फिल्म सैयारा के साथ वापसी कर रहे हैं, जिसमें नए कलाकार अहान पांडे और अनीत पड्डा नजर आएंगे।

आर. माधवन ने जब भी निभाया

रोमांटिक किरदार वो बन गया एक कल्ट क्लासिक

ऐसा बहुत कम होता है जब पर्दे पर दिखाया गया प्यार इतना सच्चा लगता है कि वो असली जज़्बातों की झलक देने लगे। और फिर आता है आर. माधवन इफ़ेक्ट – चाहे वो अलाईपायुथे हो या आप जैसा कोई, जब वह रोमांस चुनते हैं, तो वो कहानी कुछ ख़ास बन जाती है। नज़ाकत से निभाए गए किरदार, सह-कलाकारों के साथ तालमेल और भाषाओं की सीमाओं से परे जाकर दर्शकों से जुड़ाव, यह पैन इंडिया पावरहाउस कभी निराश नहीं करते, और वह सिर्फ़ रोमांटिक हीरो की भूमिका ही नहीं निभाते, बल्कि वो एक वजह बनते हैं जिसकी वजह से हम प्यार पर फिर से यक़ीन करने लगते हैं। चाहे लवरबॉय का चार्म हो या हालिया वर्षों की भावनात्मक गहराई से निभाया गया किरदार –आर. माधवन ने प्रेम के हर रूप को जिया है, कभी कोमलता से, तो कभी धैर्य से। उनके किरदार किसी तय पैटर्न पर नहीं चलते, बल्कि दिल के अलग-अलग पड़ाव दिखाते हैं। रहना है तेरे दिल में में उन्होंने हमें मैडी का किरदार दिया, जो बेबाक था मगर अंदर से नाज़ुक था, एक ऐसा प्रेमी जो नामुमकिन को मुमकिन बनाने की कोशिश करता है और दर्शकों को अपने पक्ष में कर लिया। अलाईपायुथे में वे कार्तिक बने, एक युवा जो प्यार में डूबा हुआ, और शादी के असली मतलब से अभिभूत। मिन्नाले में, उन्होंने एक अधूरा पर सच्चे प्रेमी की भूमिका निभाई–एक ऐसा इंसान जो सच को मोड़ता है, लेकिन अपनी भावनाओं को नहीं। और फिर तनु वेड्स मनु आई, जहाँ उन्होंने दिखाया कि प्यार मौन भी हो सकता है, सम्मानजनक और दिल तोड़ने वाला सच्चा भी हो सकता है। मनु के रूप में, वह ज़ोर-शोर से नहीं बोलते थे, लेकिन उनकी शांत निगाहें इंतज़ार, प्यार और फ्रीडम के बारे में बहुत कुछ कहती थीं। अब आप जैसा कोई में, श्रीरेणु के रूप में आर. माधवन एक ऐसे किरदार में है जो दिल से रोमांटिक हैं, लेकिन आत्मा से परिपक्व हैं।

राजकुमार राव की फिल्म मालिक को मिला करीना का सपोर्ट, शेयर किया वीडियो

अभिनेत्री करीना कपूर ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर राजकुमार राव की अपकमिंग फिल्म मालिक की रिलीज से पहले शुभकामनाएं भेजीं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन पर राजकुमार राव की फिल्म मालिक के ट्रेलर का वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा, पूरी टीम को शुभकामनाएं। कमाल कर दिया दोस्तों, ढेर सारा प्यार, कल सिनेमाघरों में जाकर फिल्म देखें। राजकुमार राव की एक्शन थ्रिलर मालिक का फर्स्ट लुक उनके जन्मदिन पर जारी किया गया था। फिल्म 11 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पुलकित द्वारा निर्देशित फिल्म मालिक का निर्माण कुमार तौरानी ने टिप्स फिल्म्स के बैनर तले और जय शेवक्रमणी की नॉर्दर्न लाइट्स फिल्म्स के तहत किया है। दिलचस्प बात यह है कि स्त्री अभिनेता ने अपने किरदार के लिए एक जबरदस्त शारीरिक बदलाव किया। उन्होंने 80 दिन से ज्यादा समय तक दाढ़ी बढ़ाई ताकि उनका लुक स्क्रीन पर दमदार लगे। फिल्म के निर्देशक पुलकित ने बताया कि उन्होंने ऐसा इसलिए करवाया क्योंकि वह चाहते थे कि राजकुमार राव के किरदार में एक दमदार और ताकतवर अहसास नजर आए।

इस तरह का लुक फिल्म में उनके किरदार को असरदार और वास्तविक बनाएगा। पुलकित ने कहा, हम चाहते थे कि राजकुमार राव के किरदार में एक ऐसी ताकत दिखे जो अंदर से आए, कुछ ऐसा जो सच्चा, थोड़ा रफ और बिना बनावट के लगे। राजकुमार ने इस किरदार के लिए खुद को शारीरिक और भावनात्मक रूप से पूरी तरह से झोंक दिया। उन्होंने करीब तीन महीने तक दाढ़ी बढ़ाई, ताकि उनका किरदार वास्तविक लगे। कुछ दिन पहले फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज किया गया था, जिसमें अभिनेता पहली बार गैंगस्टर का किरदार निभाते नजर आ रहे हैं। ट्रेलर लगभग 2 मिनट 45 सेकंड का है। कहानी उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसमें साल 1988 का दौर दिखाया गया है। फिल्म में पहली बार राजकुमार राव और मानुषी छिल्लर की जोड़ी देखने को मिलेगी।

यार को ज्यादा गंभीरता से लें, तो यह 'मुश्किल' हो जाता है: शब्बीर अहलूवालिया

शब्बीर ने यार के बारे में बात करते हुए कहा कि अगर इसे बहुत गंभीरता से लिया जाए, तो यह मुश्किल हो सकता है। सीरियल 'उफ्फ... ये लव है मुश्किल' के संदर्भ में शब्बीर ने कहा, प्यार तभी मुश्किल लगता है, जब आप इसे बहुत गंभीरता से लेते हैं या उससे बहुत ज्यादा उम्मीदें रखते हैं। प्यार तो अपने आप खिलता है। अगर आप इसे स्वाभाविक रूप से होने दें, तो यह बहुत खूबसूरत है। शब्बीर ने शो में अपने किरदार युग और उसकी ऑन-स्क्रीन प्रेमिका कैरी के प्यार पर बात की। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, कैरी के लिए प्यार ज्यादा मुश्किल नहीं है, लेकिन युग को प्यार करना? ओह, अगर मैं कैरी होता, तो शायद ऐसा नहीं करता! शब्बीर ने साल 1999 में 'हिप हिप हुर्रे' से अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी', 'क्या हादसा क्या हकीकत', 'कहीं तो मिलेंगे', 'काव्यांजलि', 'कसम से', 'कसौटी जिंदगी की', 'लागी तुझसे लगन' और 'कयामत' जैसे सीरियलों में उनके किरदारों ने दर्शकों का दिल जीता। उनके किरदार आज भी दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाए हुए हैं। जब शब्बीर से पूछा गया कि क्या सोनी सब के 'उफ्फ... ये लव है मुश्किल' में उनका किरदार युग भी पुराने अन्य किरदारों की तरह जादू चला पाएगा, इस पर शब्बीर ने कहा, मुझे उम्मीद है। युग एक ऐसा किरदार है जो आम नहीं है। वह जिंदगी के प्रति नकारात्मक और ज्यादा खुला हुआ नहीं है।

13 वर्षों का लंबा संघर्ष, 'क्रिमिनल जस्टिस 4' में पंकज त्रिपाठी की पत्नी बन छाई खुशबू

क्रिमिनल जस्टिस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सबसे चर्चित वेब सीरीज है। इस सारीज का चौथा सीजन भी रिलीज हो चुका है, जिसे दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। इस सीजन में अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने मुख्य भूमिका निभाई है, जो माधव मिश्रा के किरदार में नजर आए हैं। इसके अलावा सीरीज में उनकी पत्नी की भूमिका खुशबू अत्रे ने निभाई है, जो रत्ना मिश्रा के रूप में नजर आई हैं। अपनी शानदार एक्टिंग से एक्ट्रेस ने सबके दिलों में एक खास जगह बनाई है और अब हर कोई उन्हें करीब से जानना चाह रहा है। चलिए जानते हैं कि कौन हैं खुशबू अत्रे।

कौन हैं खुशबू अत्रे?

क्रिमिनल जस्टिस 4 सीरीज में खुशबू अत्रे एडवोकेट माधव मिश्रा (पंकज त्रिपाठी) की पत्नी रत्ना मिश्रा का किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री मध्यप्रदेश के भरवाहा की रहने वाली हैं। शुरुआत में खुशबू अत्रे ने कई नाटक किए, जहां उनके अभिनय को धार मिली। इसके बाद उन्होंने अपने करियर की आधिकारिक शुरुआत छोटे पर्दे से की थी। साल 2012 में अभिनेत्री ने टीवी के पॉपुलर शो पवित्र रिश्ता से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने कई टीवी

सीरीयल्स में काम किए, जैसे- उड़ान, साथ निभाना साथिया आदि।

ये मेरा पहला बड़ा ट्रेलर लॉन्च इवेंट है

सोन ऑफ सरदार 2 को लेकर कूब्रा सैत के लिए एक खास पल

कूब्रा सैत के लिए सोन ऑफ सरदार 2 का ट्रेलर लॉन्च सिर्फ एक और ग्लैमरस इवेंट नहीं था, बल्कि उनके करियर का एक बेहद खास और पर्सनल माइलस्टोन था। दमदार परफॉर्मेंस और बेबाक किरदारों से अपनी अलग पहचान बना चुकीं कूब्रा पहली बार किसी बड़ी फिल्म के ट्रेलर लॉन्च का हिस्सा बनीं। इस पल को लेकर उन्होंने कहा- ये मेरे लिए वाकई बहुत खास है। ये मेरा पहला बड़ा ट्रेलर लॉन्च इवेंट है और इतनी बड़ी फिल्म और शानदार टीम का हिस्सा बनना किसी सपने से कम नहीं है। फिल्म में मेहविश का किरदार निभा रहीं कूब्रा इवेंट में ढोल की बीट्स पर डांस करते हुए एंट्री करती दिखीं–जिससे फिल्म की एनर्जी साफ झलक रही थी। वह अपने बोल्ड लेकिन ग्रेसफुल लुक में काफी खूबसूरत नजर आईं और पूरे कॉन्फिडेंस के साथ यह पल जिया। फ्रेंचाइज़ी की यादों को ताज़ा करते हुए उन्होंने कहा- सोन ऑफ सरदार को रिलीज़ हुए 12 साल हो गए हैं। मैंने भी इसे बाकी लोगों की तरह सिनेमाघर में देखा था। उस वक़्त जो दीवानगी थी, वो अलग ही लेवल की थी। अब जब मैं इसके दूसरे भाग का हिस्सा हूं, तो ये मेरे लिए एक पूरा सर्कल पूरा होने जैसा है। सेट पर बने रिश्तों को लेकर कूब्रा ने कहा- मुझे रोशनी, अश्विनी मैम, शरद सर, चंकी सर और कई और कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला। मृणाल (थाकुर) और अजय सर के साथ स्क्रीन शेयर करना भी बेहद खास रहा।

नेपोटिज्म का प्रॉडक्ट कहलाने से परहेज नहीं

भोजपुरी एक्टर रवि किशन यूं तो तीन बेटियों और एक बेटे यानी 4 बच्चों के पिता हैं, लेकिन यहां बात करने जा रहे हैं उनकी बेटी रीवा के बारे में। भोजपुरी से लेकर बॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुके रवि किशन की बेटी रीवा किशन रियल लाइफ में काफी ग्लैमरस हैं और उन्होंने भी अपने पिता के नक्शे कदम पर आगे बढ़ते हुए फिल्मों में कदम बढ़ाने का फैसला लिया था। रवि किशन की बेटी रीवा ग्लैमर के मामले में किसी स्टार किड्स से कम नहीं। कई बार तो हॉलीवुड एक्ट्रेस को भी टक्कर देती हैं। रीवा सोशल पर काफी एक्टिव हैं। रीवा ने पिता और फिल्मों से प्रेरित होकर पहले ही एक्टिंग की दुनिया में आगे आने का फैसला ले लिया था। इसके लिए तैयारी भी शुरू की और नसीरुद्दीन शाह के एक्टिंग ड्रामा ग्रुप से एक साल की ट्रेनिंग ली।

सब कुश मंगल से डेब्यू

रीवा ने साल 2020 में सब कुश मंगल फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में अक्षय खन्ना के साथ रीवा के ऑपोजिट पद्मिनी कोल्हापुरे के बेटे प्रियांक शर्मा नजर आए थे। हालांकि, ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर चली भी नहीं। हालांकि इसके बाद रीवा किसी फिल्म में नहीं दिखीं, लेकिन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उस फिल्म में दोनों ही एक्टर फिल्मी बैकग्राउंड से थे। रीवा ने नेपोटिज्म पर खुलकर बातें भी की थीं और कहा था कि उन्हें नेपोटिज्म का प्रॉडक्ट कहलाने से परहेज नहीं। रीवा ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि फिल्मों में एंट्री का प्लान उनका हमेशा से था। उन्होंने कहा था, मैं फिल्मों में काम शुरू करने से पहले दुनिया भर में ट्रैवल और एक्टिंग वर्कशॉप करना चाहती हूं। भोजपुरी फिल्मों में काम को लेकर रीवा ने कहा था कि अगर अच्छी स्क्रिप्ट मिले तो वो इस इंडस्ट्री में जरूर काम करेंगी।

फ्रेंच ओपन 2026: नोवाक जोकोविच ने पहले दौर में जियोवानी म्पेत्शी पेरिकार्ड को हराया

एजेंसी

पेरिस : सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की अपनी चुनौती की शानदार शुरूआत करते हुए फ्रेंच ओपन 2026 के पहले दौर में रविवार देर रात फ्रांस के जियोवानी म्पेत्शी पेरिकार्ड को 5-7, 7-5, 6-1, 6-4 से हराया। इस मुकाबले के साथ ही नोवाक जोकोविच पुरुष एकल ग्रैंड स्लैम मुकाबलों में सबसे ज्यादा 82 बार खेलने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। हालांकि, रोलां गैरो में खेले गए इस मुकाबले में शुरूआत में जोकोविच अपने सर्वश्रेष्ठ लय में नजर नहीं आए। फ्रांसीसी खिलाड़ी जियोवानी म्पेत्शी पेरिकार्ड ने पहले सेट में शानदार खेल दिखाते हुए 6-5 की बढ़त बनाई और फिर दमदार ऐस लगाकर सेट अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही वह 17 वर्षों में पहले ऐसे खिलाड़ी बने जिन्होंने फ्रेंच ओपन के पहले दौर में जोकोविच से सेट जीता।

मैच के बाद जोकोविच ने कहा,

जियोवानी को बधाई। मैंने पहली बार उनके खिलाफ खेला और उनकी सर्विस को पढ़ना बेहद मुश्किल था। मेरे करियर में मैंने ऐसी सर्विस बहुत कम खिलाड़ियों की देखी है। तीसरे वरीय जोकोविच ने दूसरे सेट में वापसी करते हुए निर्णायक मौकों का फायदा उठाया और मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। इसके बाद अनुभवी सर्बियाई खिलाड़ी ने अपना आक्रामक खेल दिखाया और तीसरा सेट आसानी से जीत लिया। चौथे सेट में जियोवानी म्पेत्शी पेरिकार्ड को कलाई और हाथ में परेशानी के कारण उपचार लेना पड़ा। हालांकि उन्होंने संघर्ष जारी रखा, लेकिन जोकोविच ने 4-3 की बढ़त बनाकर मैच पर नियंत्रण कर लिया और लगातार 22वीं बार फ्रेंच ओपन के पहले दौर में जीत दर्ज की। जीत के बाद नोवाक जोकोविच ने दर्शकों का अभिवादन करते हुए कहा,ह्लयहां का माहौल शानदार था।

कनाडियन ग्रां प्री में किमी एंटोनेली की लगातार चौथी जीत, बनाया ऐतिहासिक रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली : मॉन्ट्रियल के ?सर्किट गिल्स विलेन्यूव में रविवार को आयोजित कनाडियन ग्रां प्री में किमी एंटोनेली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार चौथी जीत दर्ज की। 19 वर्षीय एंटोनेली ने यह रेस जीतकर इतिहास रच दिया। मर्सिडीज के ड्राइवर एंटोनेली और उनके टीम साथी जॉर्ज रसेल के बीच रेस के दौरान जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला। दोनों कई बार बढ़त बदलते रहे, खासकर 13वें लैप में दोनों के बीच रोमांचक टक्कर रही। हालांकि, 68 लैप की रेस के 30वें लैप में जॉर्ज रसेल की कार के पावर यूनिट में खराबी आ गई, जिससे उन्हें रेस बीच में छोड़नी पड़ी। एंटोनेली 1952 में अल्बर्टो अस्कारी के बाद लगातार चार रेस जीतने वाले पहले इतालवी ड्राइवर बन गए हैं। इसके साथ ही वह

अपने करियर की शुरूआती चारों रेस लगातार जीतने वाले पहले फॉमूर्ला-1 ड्राइवर भी बन गए हैं।

रेस जीतने के बाद एंटोनेली ने कहा, मैं इस तरह जीतना नहीं चाहता था। जॉर्ज के साथ शानदार मुकाबला चल रहा था, लेकिन जीत तो जीत होती है। एंटोनेली ने 1 घंटा 28 मिनट 15 सेकंड में रेस पूरी की और फेरारी के लुईस हैमिल्टन को लगभग 11 सेकंड से पीछे छोड़ दिया। रेड बुल के मैक्स वर्स्टैपेन तीसरे स्थान पर रहे।

अब तक इस सीजन की पांचों ग्रां प्री रेस मर्सिडीज ने जीती हैं। ड्राइवर्स चैंपियनशिप में एंटोनेली 131 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि जॉर्ज रसेल 88 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। अपनी कार में आई खराबी पर रसेल ने निराशा जताते हुए कहा, ह्लअचानक सब कुछ बंद हो गया। इंजन रुक गया, इलेक्ट्रॉनिक्स काम नहीं कर रहे थे और ब्रेकिंग भी सही नहीं थी। यह बेहद निराशाजनक है। कंस्ट्रक्टर्स चैंपियनशिप में मर्सिडीज 219 अंकों के साथ पहले स्थान पर है।

गंगा दशहरा पर महाभारत कालीन गंगा के पांचाल घाट पर उमड़ी भक्तों की भीड़

एजेंसी

फरुर्खाबाद : उत्तर प्रदेश के जनपद फरूर्खाबाद में गंगा दशहरा के अवसर पर सोमवार को पवित्र गंगा नदी के पांचाल घाट पर हजारों भक्तों ने डुबकी लगाई। जिले भर के सभी गंगा घाटों पर गंगा भक्तों की भीड़ लगी रही। सबसे ज्यादा भीड़ महाभारतकालीन गंगा घाट पांचाल घाट पर भक्तों की उमड़ी भीड़ की बजह मार्ग सकरे पड़ गए। पुलिस एवम प्रशासन को यातायात बहाल रखने में पसीने छूट गए। जिलाधिकारी अंकुर लाठर और पुलिस अधीक्षक आरती सिंह भी मेले में घूम-घूम कर शांति व्यवस्था का जायजा लेते रहे। पांचाल घाट पर गंगा में बैरिकेडिंग करा कर पीएसी के तैराक जवान तैनात रहे।

गंगा भक्तों की सुरक्षा के लिए तट पर भारी संख्या में पुलिसबल तैनात रहा। गंगा तट पांचालघाट से लेकर श्रृंगीरामपुर में सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट तैनात रहे। गंगा दशहरा पर्व पर गंगा स्नान के सम्बंध में जूना अखाड़े के अध्यक्ष सत्य गिरी महाराज बताते हैं कि आज के दिन गंगा का पृथ्वी पर अवतरण हुआ था। इस बजह से आज के दिन गंगा स्नान करने वालों के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। उनका कहना है कि गंगा दशहरा पर्व पर पांचाल प्रदेश के राजा द्रोपद की पुत्री द्रोपदी यहां टेंट लगा कर निवास कर दान पुण्य कर गंगा स्नान करती थीं। इस बजह इस घाट को आज भी पांचाल घाट के नाम से जाना जाता है। यहां दुवार्शा ऋषी ने रह कर अखंड साधना की थी। आज भी गंगातट पर दुवार्शा आश्रम बना हुआ है। उसमें हजारों सन्त रह कर गंगा स्नान कर अखंड साधना करते हैं। पूज्य सन्त प्रेमानन्द महाराज भी इस स्थान पर निवास कर चुके हैं। संतों की घाटियों में रहने की वजह से इस घाट का नाम घटिया घाट के नाम से भी जाना जा रहा है। घाटियों में रहकर संत महात्मा साधना करते थे। जिनकी चरण रज की वजह से यह स्थान पवित्र हो गया है। महात्मा सत्यागिरी महाराज बताते हैं कि इसी तरह से श्रृंगी रामपुर में राजा दशरथ के बहनोई श्रृंगी ऋषी ने यहां अखंड साधना की थी। इस वजह से इस घाट का नाम श्रृंगी रामपुर पड़ा। श्रृंगी रामपुर में आज भी प्रदेश भर से संत महात्मा आकर स्नान करते हैं। श्रृंगी रामपुर का जिक्र हमारे शास्त्रों में भी है। आज इस स्थान पर गंगा भक्तों का भारी मेला लगा हुआ है और भक्त गंगा स्नान करके आत्मिक आनंद और मानसिक शांति की अनुभूति कर रहे हैं। हालांकि गंगा स्नान के समय जिला प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। भोर से ही श्रद्धालु गंगा में स्नान कर रहे हैं।

नौतपा की तपिश से तपेगा राजस्थान: पारा 47 डिग्री के पार पहुंचने के आसार

एजेंसी

जयपुर : नौतपा की सोमवार से शुरूआत के साथ ही राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर तेज हो गया है। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में तेज लू और अत्यधिक गर्मी का अलर्ट जारी किया है। कई जिलों में तापमान 47 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक पहुंचने की संभावना जताई गई है। सोमवार को तीन जिलों में हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट तथा 16 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार 28 मई के बाद एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है। इसके प्रभाव से राज्य के कुछ हिस्सों में बादल छाने, तेज आंधी चलने, हल्की बारिश और कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है। यह बदलाव जून के पहले सप्ताह तक जारी रह सकता है। पिछले 24 घंटे में श्रीगंगानगर प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा,

जहां अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस मापा गया। वहीं वनस्थली (टोंक) में 45.1, अलवर में 45, चूरू में 44.9, फलोदी, बीकानेर और कोटा में 44.8 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ। बाड़मेर, चित्तौड़गढ़ और जैसलमेर में भी पारा 44 डिग्री के आसपास पहुंच गया। जैसलमेर, फलोदी और बीकानेर में सीवियर हीटवेव रही, जबकि बाड़मेर, जालोर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनूं, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, कोटा, बारां, झालावाड़ और चित्तौड़गढ़ भी लू की चपेट में रहे। पश्चिमी राजस्थान में दोपहर के समय 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूलभरी हवाएं भी चलीं। जयपुर में रविवार को अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस मापा गया। दिनभर लू चली और रात भी गर्म रही। अजमेर में तापमान 41.3 डिग्री रहा, जबकि अगले दिनों में इसके 44 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। उदयपुर में अधिकतम तापमान 41 डिग्री मापा गया और अगले सप्ताह तक तापमान में और बढ़ोतरी के संकेत हैं। कोटा में पारा 44.8 डिग्री तक पहुंच गया। गर्मी से बचाने के लिए नगर निगम की गौशाला में गोवंशों पर पानी का छिड़काव किया जा रहा है। अलवर में तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया और अगले दिनों में 46 डिग्री तक जाने का अनुमान है। जोधपुर में अधिकतम तापमान 42.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जबकि सोमवार को इसमें 2 से 3 डिग्री वृद्धि हो सकती है। सीकर में तापमान 43 डिग्री रहा, हालांकि यहां 28 मई तक हीटवेव का अलर्ट नहीं है।

दस दिन में चौथी बार बढ़े ईंधन के दाम, पेट्रोल 2.61 रुपये, डीजल 2.71 रुपये हुआ महंगा

एजेंसी

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया संकट के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज एक बार फिर इजाफा किया है। तेल कंपनियों ने पेट्रोल की कीमत 2.61 रुपये प्रति लीटर, जबकि डीजल के दाम 2.71 रुपये प्रति लीटर बढ़ाये हैं। पिछले 10 दिन में यह चौथी बढ़ोतरी हैं। नई दरें लागू हो गई हैं। इंडियन ऑयल के वेबसाइट के मुताबिक राष्टीरय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 2.61 रुपये प्रति लीटर बढ़कर 102.12 रुपये प्रति लीटर हो गई है, जो पहले 99.51 रुपये प्रति लीटर थी। वहीं, डीजल के दाम 2.71 रुपये बढ़कर 95.20 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गए हैं, जो पहले 92.49 रुपये प्रति लीटर था। इसके अलावा कोलकाता में पेट्रोल 113.51 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है, जहां 2.87 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। मुंबई में इसका भाव 111.21 रुपये प्रति लीटर हो गया है, जबकि चेन्नई में कीमत 107.77

रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गई। इसी तरह कोलकाता में डीजल की कीमत 99.82 रुपये प्रति लीटर हो गई है। मुंबई में डीजल का दाम 97.83 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया। विशेषज्ञों का कहना है कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में की गई यह वृद्धि वैश्विक कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और रुपये में कमजोरी के बीच की गई है। वैश्विक कच्चे तेल की कीमत बढ़ने और रुपये के कमजोर होने से तेल विपणन कंपनियों की आयात लागत पर दबाव बढ़ा है। इससे पहले शनिवार को पेट्रोल और डीजल के दाम में 87 पैसे और 91 पैसे प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी हुई थी। पेट्रोल-डीजल के दाम में फिर से हुई बढ़ोतरी पर आम आादमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने कहा, ₹पिछले 10 दिनों में ही पेट्रोल-डीजल की कीमत साढ़े सात रुपये बढ़ गई है। देश में अब ऐसा कोई शहर या राज्य नहीं बचा है जहां पेट्रोल 100 रुपये प्रति लीटर से कम में मिल रहा हो। एक गरीब आदमी आखिर ईंधन का खर्च कैसे उठाएगा? उल्लेखनीय है कि ईंधन की कीमतों में 15 मई को पहली बार संशोधन हुआ था। तब से अब तक पेट्रोल और डीजल के दाम कुल मिलाकर करीब 7.5 रुपये प्रति लीटर बढ़ चुके हैं। ईंधन की बढ़ती कीमतों ने मध्यम वर्ग और रोजाना वाहन इस्तेमाल करने वाले लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

केन्द्रीय मंत्री अठावले बोले- राहुल गांधी का प्रधानमंत्री बनने का सपना पूरा होना मुश्किल

एजेंसी

ग्वालियर : केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने ग्वालियर प्रवास के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का भविष्य विपक्ष के नेता के रूप में अच्छा हो सकता है, लेकिन प्रधानमंत्री बनने का उनका सपना पूरा होना मुश्किल है। केन्द्रीय मंत्री रविवार शाम को मध्य प्रदेश के ग्वालियर पहुंचे थे। यहां उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि राहुल गांधी भले ही देश का प्रधानमंत्री बनने का सपना देख रहे हों, लेकिन मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में इसकी संभावना नजर नहीं आती। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों और केंद्र सरकार की उपलब्धियों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि देश की जनता लगातार भारतीय

जनता पार्टी और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जता रही है। अठावले ने पश्चिम बंगाल समेत विभिन्न राज्यों के चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा ने कई जगह बड़ी जीत हासिल की है, जबकि कांग्रेस बहुमत तक पहुंचने के लिए भी संघर्ष करती दिखाई दे रही है। दकेंद्रीय मंत्री अठावले ने प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली की जमकर सराहना की। उन्होंने मोदी को देश का ह्लमजबूत प्रधानमंत्रीह्व बताते हुए कहा कि उनकी सरकार देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि ह्लमेक इन इंडियाह्व जैसी योजनाओं ने देश के औद्योगिक विकास को नई गति दी है और भारत को वैश्विक स्तर पर मजबूत पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार दलितों, पिछड़े वर्गों और गरीबों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार ह्लसबका साथ, सबका विकासह्व के मंत्र के साथ काम कर रही है और समाज के हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। केंद्र सरकार की कई योजनाओं का सीधा लाभ गरीब और जरूरतमंद लोगों तक पहुंचा है। रामदास अठावले ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार और वर्तमान मोदी सरकार की आर्थिक स्थिति की तुलना करते हुए कहा कि जब देश में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार थी, तब भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में 10वें स्थान पर थी, जबकि आज भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक नीतियों और विकास योजनाओं को दिया। उन्होंने कहा कि जनधन योजना, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और गरीब कल्याण से जुड़ी योजनाओं ने देश की आर्थिक व्यवस्था को मजबूत किया है। करोड़ों लोगों के बैंक खाते खुलने से आर्थिक पारदर्शिता बढ़ी है और गरीबों तक सीधे सरकारी सहायता पहुंची है। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनकी पार्टी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) जल्द ही देश की शीर्ष पांच राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियों में शामिल हो जाएगी।

बिहार के गयाजी में पूर्व सांसद रंजीत सिंह के घर पर ड्रग विभाग की छापामारी

एजेंसी

गया जी : बिहार में गयाजी शहर के पीपरपाती मोहल्ले में ड्रग विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने सोमवार को बड़ी छापेमारी कार्रवाई शुरू की। यह कार्रवाई पूर्व सांसद और पूर्व विधायक रंजीत सिंह उर्फ रंग सिंह के आवासीय परिसर में की गई। ड्रग इंस्पेक्टर के नेतृत्व में ड्रग विभाग, कोतवाली थाना पुलिस और अन्य विभागीय अधिकारियों की टीम भारी सुरक्षा व्यवस्था के साथ मौके पर पहुंची। टीम ने परिसर को चारों ओर से घेर लिया और अंदर मौजूद कई कमरों, स्टोर रूम तथा गोदामनुमा हिस्सों की गहन तलाशी शुरू कर दी। छापेमारी के दौरान परिसर में आने-जाने पर भी रोक लगा दी गई थी। जांच टीम को परिसर से भारी मात्रा में संदिग्ध और कथित रूप से नकली दवाएं मिली हैं। विभागीय अधिकारी पूरे मामले की जांच पूरी होने के बाद ही विस्तृत जानकारी देने की बात कह रहे हैं। विभाग को पिछले कुछ समय से इस परिसर में संदिग्ध तरीके से दवाओं के निर्माण, पैकेजिंग और भंडारण की गतिविधियों की सूचना मिल रही थी। इसी आधार पर ड्रग विभाग ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से संयुक्त कार्रवाई की योजना बनाई। आज सुबह टीम अचानक परिसर में पहुंची और बिना किसी पूर्व सूचना के जांच शुरू कर दी। छापेमारी की खबर फैलते ही आसपास के इलाके में लोगों की भीड़ जुटने लगी। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए और पूरे दिन कार्रवाई को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होती रहीं। स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए पुलिस ने परिसर के बाहर बैरिकेडिंग कर दी और अतिरिक्त पुलिस बल की भी तैनाती की गई। किसी भी बाहरी व्यक्ति को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई। मीडिया कर्मियों को भी परिसर के भीतर प्रवेश करने से रोक दिया गया। अधिकारियों ने जांच पूरी होने तक किसी प्रकार की आधिकारिक टिप्पणी करने से परहेज किया। हालांकि सूत्रों का दावा है कि टीम को कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और दवाओं से जुड़े पैकेट भी मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख, मुनाफा वसूली के बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी मजबूत

एजेंसी

नई दिल्ली : पॉजिटिव ग्लोबल संकेतों के कारण आज शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख नजर आ रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच समझौता होने की उम्मीद और होर्मुज स्ट्रेट के फिर से खुलने के आसार के कारण उत्साहित घरेलू शेयर बाजार ने आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही मजबूती के साथ कारोबार शुरू किया। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से पहले 10 मिनट में ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की मजबूती और बढ़ गई, जिससे बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों के मार्केट कैप में पांच लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। हालांकि इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इन दोनों सूचकांक की चाल में कुछ गिरावट भी आई। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.01 प्रतिशत और निफ्टी 0.91 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। आज प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से आयशर मोटर्स, श्रीराम फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक और बजाज फाइनेंस के शेयर 5.15 प्रतिशत से लेकर

2.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, ओएनजीसी, टीसीएस, मैक्स हेल्थकेयर और सन फार्मास्यूटिकल्स के शेयर 2.01 प्रतिशत से लेकर 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,786 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,229 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 557 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 26 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर चार शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 41 शेयर हरे निशान में और नौ शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 720.47 अंक की मजबूती के साथ 76,135.82 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण पहले 10 मिनट में ही यह सूचकांक उछल कर 76,334.77 अंक के स्तर पर आ गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स के चाल में गिरावट आने लगी। बिकवाली का दबाव बनने के बावजूद यह सूचकांक लगातार हरे निशान में ही बना रहा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 752.09 अंक की तेजी के साथ 76,167.44 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 220.95 अंक उछल कर 23,940.25 अंक के स्तर तक से कारोबार की

न्यूज IN ब्रीफ

यमुनानगर:चार दिन से लापता युवक का शव यमुना नहर से मिला

यमुनानगर : यमुनानगर जिले के जठलाना थाना क्षेत्र के गांव मोहड़ी निवासी 29 वर्षीय मुबारक अली खान का शव रविवार देर शाम कुरुक्षेत्र के हिनौरी पुल के समीप पश्चिमी यमुना नहर से बरामद किया गया। युवक बीते चार दिनों से लापता था। शव मिलने से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है, जबकि परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है। मुबारक अली एक निजी कंपनी में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत था। परिजनों के अनुसार वह 21 मई की शाम घर से ड्यूटी के लिए निकला था, लेकिन रात तक वापस नहीं लौटा। बाद में कंपनी से जानकारी मिली कि वह उस दिन कार्यस्थल पर पहुंचा ही नहीं था। इसी दौरान उसका मोबाइल फोन भी बंद मिला, जिसके बाद परिवार ने उसकी तलाश शुरू कर दी। परिजनों ने बताया कि रविवार सुबह उसकी मोटरसाइकिल गांव के बाहरी क्षेत्र में नहर किनारे लावारिस हालत में मिली थी। इसके कुछ घंटों बाद शाम के समय कुरुक्षेत्र जिले के हिनौरी पुल के पास नहर से शव बरामद होने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान मुबारक अली के रूप में की। परिवार का कहना है कि मुबारक अली किसी मानसिक तनाव या पारिवारिक परेशानी में नहीं था। घर से निकलते समय वह सामान्य स्थिति में था। ऐसे में अचानक लापता होना और बाद में शव मिलना कई सवाल खड़े करता है। जठलाना थाना पुलिस ने पहले ही गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया था। परिजनों का आरोप है कि शुरूआती स्तर पर जांच में अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई गई। पुलिस का कहना है कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और रिपोर्ट के आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी। तीन बहनों के इकलौते भाई की मौत से गांव मोहड़ी में गहरा शोक व्याप्त है।

अनियंत्रित टोटो की टक्कर से डायल 112 के चालक की मौत

नवादा : नवादा–गया पथ पर पुलिस केंद्र के निकट सोमवार को टोटो की टक्कर से पुलिस की डायल 112 नंबर गाड़ी के चालक शिव शंकर की मौत हो गई। पुलिस ने टोटो को जब्त कर लिया है। नवादा के एसपी अभिनव धीमान ने बताया कि डायल 112 नंबर के चालक शिव शंकर रोड क्रॉस कर रहे थे। इसी बीच तेज रफ्तार से आ रहे टोटो ने उन्हें सीधी टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में बुरी तरह जख्मी शिव शंकर की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। शिव शंकर नवादा जिले के नारदीगंज के रहने वाले थे। उन्होंने भारतीय सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद 2022 में नवादा पुलिस में अपना योगदान दिया था। तब से बेहतर तरीके से काम कर रहे थे। घटना की सूचना उनके परिजनों को दे दी गई है। पोस्टमार्टम के बाद गार्ड ऑफ ऑनर के बाद उनके पार्थिव शरीर को परिजनों को सौंप दिया जाएगा। यह दुर्घटना है या हत्या की साजिश पुलिस इस दृष्टिकोण से भी मामले की जांच कर रही है।

प्रेमिका से मिलने पहुंचे दो दोस्त बने कातिल, मुठभेड़ में दबोचा गया आरोपित

मीरजापुर : जनपद की पड़री पुलिस ने हत्या के एक सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए मुख्य अभियुक्त को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के कब्जे से 315 बोर का कट्टा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस तथा हत्या की घटना में प्रयुक्त गमछा बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक (नगर) नितेश सिंह ने बताया कि 24 मई की रात सूचना मिली कि थाना पड़री में दर्ज हत्या के मुकदमे में नामजद अभियुक्त मोटरसाइकिल से ग्राम गौराराज की ओर जा रहा है। सूचना पर सक्रिय पुलिस टीम ने बौड़री पहाड़ी के पास घेराबंदी कर अभियुक्त को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान खुद को घिरता देख अभियुक्त ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी।

पुलिस ने आत्मरक्षा में की गई जवाबी फायरिंग में अभियुक्त के पैर में गोली लग गई, जिसके बाद उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम अजय बिंद निवासी सुखनई थाना मड़िहान जनपद मीरजापुर बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से घटना में प्रयुक्त अवैध तमंचा, कारतूस और गमछा बरामद हुआ। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि उसके दोस्त राजन उर्फ साजन का मृतका से पहले से संबंध था। दोनों मृतका से मिलने गए थे, जहां राजन शारीरिक संबंध बना रहा था। इसी दौरान अजय ने भी उससे संबंध बनाने का प्रयास किया, जिसका मृतका ने विरोध किया और शोर मचाने लगी। आरोप है कि इसके बाद अजय ने मृतका के सीने पर पत्थर से हमला किया तथा दोनों ने मिलकर गमछे से उसका मुंह और गला दबाकर हत्या कर दी। बाद में शव को खेत में फेंककर फरार हो गए। घटना के बाद मृतका के परिजन ने मुकदमा दर्ज कराए जाने पर आरोपित गिरफ्तारी से बचने के लिए भाग रहा था। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, मौके से बरामद मोटरसाइकिल को धारा 207 एमवी एक्ट के तहत सीज कर दिया गया है। इस कार्रवाई में थाना पड़री के प्रभारी निरीक्षक उप निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह एवं उनकी पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कांग्रेस ने ओबीसी विभाग में सरोज प्रधान और अपर भानुदास शंकर माली को नई जिम्मेदारी दी

नई दिल्ली : कांग्रेस ने संगठन के ओबीसी विभाग में नई नियुक्तियां की हैं। पार्टी ने सरोज प्रधान को ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग का प्रदेश अध्यक्ष और अपर भानुदास शंकर माली को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के ओबीसी विभाग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। दोनों नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से रविवार को जारी सूचना के अनुसार, इन नियुक्तियों को कांग्रेस अध्यक्ष की मंजूरी के बाद अंतिम रूप दिया गया। उल्लेखनीय है कि सरोज प्रधान ओडिशा में कांग्रेस संगठन के भीतर ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। वे लंबे समय से राज्य स्तर पर पार्टी के संगठनात्मक ढांचे से जुड़े कार्यकर्ता माने जाते हैं। संगठन के भीतर उनकी पहचान मुख्य रूप से जमीनी स्तर के कार्यकर्ता और समन्वयक के रूप में रही है, जो पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व और संगठन विस्तार से जुड़े अभियानों में सक्रिय रहे हैं। वहीं, भानुदास शंकर माली पार्टी के भीतर पिछड़ा वर्ग से जुड़े संगठनात्मक कार्यों और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर काम करते रहे हैं।

आदिवासियों के सामने धर्मांतरण की चुनौती

नई दिल्ली : सरकार का एक तरफ मुख्य लक्ष्य आदिवासी समुदायों को विकास की मुख्यधारा में लाना है, वहीं वर्तमान में उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती इस वर्ग में बढ़ रहे धर्म परिवर्तन को रोकने और उनकी 'घर वापसी' (मूल संस्कृति की ओर झुकाव) सुनिश्चित करने की है। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में लाल किले में देश भर से एकत्रित हुए आदिवासियों ने रविवार को आयोजित भव्य 'जनजातीय सांस्कृतिक शोभायात्रा' और एक विशाल 'जनजाति सांस्कृतिक समागम' में धर्म परिवर्तन के खिलाफ एक साथ आवाज उठाई। अखिल भारतीय कल्याण आश्रम (वनवासी कल्याण आश्रम) की ओर से आए अरुणाचल के कई व्यक्तियों ने निराशा व्यक्त करते हुए, हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि उनके राज्य में करीब 80 प्रतिशत लोगों ने धर्म परिवर्तन कर चुके हैं। कोई ईसाई धर्म में चला गया तो किसी ने मुस्लिम धर्म अपना लिया। उन्होंने कहा कि उनके आने मकसद सिर्फ और सिर्फ धर्म परिवर्तन कर चुके आदिवासी लोगों की घर वापसी करवाना है। सभी ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वे लोग घर वापसी नहीं करते हैं तो उनका एसटी स्टेटस हटाया जाए। उन्हें आदिवासी के नाम पर जो लाभ और अधिकार मिल रहे हैं, वे बंद होने चाहिए। पूर्वोत्तर के उस समूह ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अगर यह ऐसे ही चलता रहा तो वे हमारे राज्य को भी नागालैंड की तरह 'क्रिश्चियन स्टेट' (यीशु का स्टेट) बना देंगे। इसी को लेकर हम सभी यहां आए हैं ताकि लोगों को आगाह कर सकें। उन्होंने बताया कि 'अरुणाचल इंडीजीनस फेथ एंड कल्चर सोसाइटी' और 'अरुणाचल इंडीजीनस फोरम' इसके खिलाफ मुहिम चला रहे हैं। 1978 के उस एक्ट के लागू न होने से बाहर के लोगों ने पैसे और कपड़ों का लालच देकर लोगों का धर्मांतरण कराया। अब हम जो थोड़े बहुत बचे हैं, वही संघर्ष कर रहे हैं। स्थानीय व्यक्ति ने कहा कि जनजाति सुरक्षा मंच लगातार पूरे देश में यह आंदोलन और जन जागरण चला रहा है ताकि हमारे हक, अधिकार और शान की रक्षा हो सके। जो वर्षों से अन्याय चल रहा है, उसे दूर करना है। जो हमारी संस्कृति, परंपरा और धर्म को छोड़ चुके हैं, वे लोग हमारा हक छीन रहे हैं। यह बहुत बड़ा अन्याय है और हम इसे अब बर्दाश्त नहीं करेंगे। हमारी पहचान हमारी संस्कृति से है। अगर संस्कृति समाप्त हुई, तो अस्तित्व भी मिट जाएगा। उनका कहना है कि पूजा ही हमारी संस्कृति है। देश में सनातन संस्कृति से हमें दूर करने के लिए कई प्रकार के षड्यंत्र चल रहे हैं और भ्रम फैलाया जा रहा है। हमें भ्रमित नहीं होना है, अपनी जड़ों से जुड़े रहना है। इस सनातन रूपी वट वृक्ष की शीतल छाया में हम सब सुख–शांति से हैं। उन्होंने बताया कि अरुणाचल प्रदेश में अभी 'अरुणाचल प्रदेश इंडीजीनस यूथ आगेर्नाइजेशन' द्वारा 'एसटी बचाओ' आंदोलन के तहत 28 से 31 मई तक चार दिनों का बंद कॉल किया गया है। इसका कारण यह है कि असम से जो बांग्लादेशी घुसपैठिए भगाए जा रहे हैं, वे बांग्लादेश न जाकर अरुणाचल में बस्तियां बसा रहे हैं अवैध मस्जिदें और मदरसे खोल रहे हैं।

डॉ. सौम्या सेनगुप्ता ने बेंगलुरु में आयोजित कॉन्फ्रेंस में लिया हिस्सा

संवाददाता

डॉ. सौम्या सेनगुप्ता ने 23 एवं 24 मई को बेंगलुरु में आयोजित प्रतिष्ठित एडीसी कॉन्फ्रेंस ऑन डायबिटीज केयर का हिस्सा बनने पर स्वयं को गौरवान्वित एवं सम्मानित महसूस किया। देशभर के प्रमुख डायबिटोलॉजिस्ट एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सहभागिता से यह सम्मेलन अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

डॉ. सेनगुप्ता ने एक विशेष एवं अत्यंत इंटरैक्टिव ह्लफूड सिम्पोजियमह्व में सक्रिय भागीदारी निभाई, जिसका मुख्य विषय डायबिटिक न्यूट्रिशन एवं डाइट मैनेजमेंट था। यह सत्र अपने व्यावहारिक दृष्टिकोण एवं रोचक चर्चा के कारण श्रोताओं द्वारा अत्यधिक सराहा गया। डॉ. सेनगुप्ता के अनुसार, इस संवाद ने न केवल उपस्थित श्रोताओं को जागरूक किया, बल्कि देशभर से आए राष्ट्रीय पैनलिस्टों को भी नए दृष्टिकोण एवं अनुभव प्रदान किए। इस सिम्पोजियम में डायबिटिक फूड मैनेजमेंट, रोकथाम, उचित खानपान, जीवनशैली में सुधार एवं पोषण आधारित उपचार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। यह आयोजन मधुमेह प्रबंधन में भोजन एवं पोषणभूमिका को लेकर जागरूकता फैलाने की दिशा में

एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

डॉ. सेनगुप्ता ने इस सफल कार्यक्रम की संकल्पना, मार्गदर्शन एवं आयोजन के लिए डॉ. अरविंद के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस सम्मेलन को मधुमेह जागरूकता एवं वैज्ञानिक शिक्षा के क्षेत्र में एक उत्कृष्ट मंच बताया।उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार की वैज्ञानिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों से जुड़े रहने की इच्छा व्यक्त की, ताकि समाज को मधुमेह की रोकथाम एवं बेहतर प्रबंधन के प्रति अधिक जागरूक एवं लाभान्वित किया जा सके।

न्यूज IN ब्रीफ

गौ माता को लगाया गया छप्पन भोग

जमशेदपुर : जुगसलाई स्थित श्री टाटानगर गौशाला में गौ माता के लिए भव्य छप्पन भोग कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया। यह कार्यक्रम दुर्गा देवी झ दीनदयाल कांवटिया के सौजन्य से जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित कराया गया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गौभक्तों ने उपस्थित होकर गौ माता को छप्पन भोग अर्पित किया एवं गौ सेवा का पुण्य लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान गौ माता की पूजा-अर्चना, आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने गौ सेवा को सबसे बड़ा धर्म बताते हुए समाज में गौ संरक्षण एवं सेवा का संदेश दिया।इस अवसर पर प्रमुख रूप से दिलीप गोयल, रामावतार गोयल, अभिषेक भालोटिया, उमेश कांवटिया, सुरेश कांवटिया, चितरमल धूत, संजय देबुका, जवाहर विग, राजकुमार चांडुका, राजकुमार सांघी, कैलाश सरायवाला, ललित सरायवाला, अनिल नरेड़ी, शंकर मित्तल, प्रदीप मित्तल, विजय आनंद मूणका, मनोज गोयल, पंकज पड़िया, दिनेश काबरा, राज कुमार भरतिया, प्रदीप देबुका, पवन मस्कारा, प्रदीप कांवटिया, दिलीप कांवटिया, सीमा मूणका एवं प्रमोद सरायवाला सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मारपीट के दो आरोपी कोर्ट से साक्ष्य के अभाव में बरी

जमशेदपुर : मानगो उलीडीह के डिमना चौक पर शिव शाह से मारपीट करने के आरोपी जसवीर सिंह उर्फ विक्की सरदार और साहिब सिंह सोमवार को साक्ष्य के अभाव में प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत से बरी हो गए। बचाव पक्ष से अधिवक्ता विद्या सिंह ने अदालत में पक्ष रखा था। उन्होंने बताया कि 2016 में पुलिस ने दोनों के खिलाफ आपकी रंजिश में रड से मारकर जख्मी करने का मामला दर्ज किया था। दोनों आरोपी पूर्व से अदालत से जमानत पर थे।

बिजली समस्या पर नगरीकला दक्षिण पंचायत सचिवालय में बैठक

धनबाद : बिजली समस्या को लेकर रविवार को नगरीकला दक्षिण पंचायत सचिवालय में बैठक हुई। इसमें दलाहीटांड़, चन्दौर पहाड़ी, खास सिजुआ, तेतुलमारी, जिरोसीम कॉलोनी, सुभाष चौक आदि जगहों के लोग उपस्थित थे। पंचायत के मुखिया अशोक ठाकुर ने कहा कि इस भीषण गर्मी में लोगों का जीना मुहाल हो गया है, लेकिन बीसीसीएल प्रबंधन को कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा है। इन समस्याओं से जीएम को अवगत कराया गया है, लेकिन वे सिर्फ आश्वासन दे रहे हैं। ग्रामीणों ने कहा कि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो सोमवार को सिजुआ जीएम व विभाग के अधिकारियों को पत्र देकर अवगत कराया जाएगा। इसके बाद क्षेत्रीय कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा। बैठक में मनोज निषाद, बबलू रवानी, नगेन्द्र सिंह, दुर्गा चौहान, सुखेंद्र यादव, विजय मिस्त्री, जलेश्वर तुरी, सोनू सिंह, मनोज कुमार आदि उपस्थित थे।

एसपी ने चलाया यातायात नियम जागरूकता अभियान

गिरिडीह: सड़क दुर्घटना की घटना जिले में हर रोज होती है। हर रोज कोई न कोई घायल होता है। हरेक दो तीन दिन में किसी की मौत होती है। ज्यादातर घटना बाइक से घट रही है। हाल के 25 दिनों में जिले के अलग-अलग थाना इलाके में घटित सड़क दुर्घटना में 33 लोगों ने अपनी जान गंवा दी है। यह आंकड़ा चिंताजनक है। ऐसे में लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने का विशेष काम पुलिस महकमा ने शुरू किया है।

जागरुकता अभियान की शुरूआत गिरिडीह के एसपी डॉ बिमल कुमार ने की है। एसपी ने खुद ही बाइक पर सवार होकर अन्य अधिकारियों और ट्रैफिक के जवानों के साथ शहर में निकले और लोगों को जागरूक किया। एसपी ने लोगों से यातायात नियम का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हेलमेट तो निहायत ही जरूरी है। इसके अलावा ट्रिपल लोड पर बाइक नहीं चलाना है। गलत साइड से न तो चलना है और न ही गलत दिशा से ओवरटेक करना है।एसपी डॉ बिमल कुमार ने कार चालक और सवार को भी सीट बेल्ट पहनने को कहा। इस दौरान बगैर हेलमेट के चल रहे लोगों को हेलमेट और गुलाब फूल दिया। इधर गिरिडीह ट्रैफिक पुलिस की वर्दी भी चेंज हो गई है। अब से गिरिडीह ट्रैफिक पुलिस अन्य जिले की तरह सफेद वर्दी में दिखेगी। पुलिस आंकड़े के अनुसार अलग-अलग दुर्घटनाओं में 33 लोगों की जानें गई हैं। जिसमें 30 अप्रैल को तीन, 1 मई को एक, 2 मई को तीन, 4 मई को तीन, 5 मई को चार, 8 मई को छह, 9 मई को तीन, 11 मई को दो, 12 मई को दो, 13 मई को दो, 15 मई को एक, 18 मई को एक, 20 मई को एक और 22 मई को एक की सड़क दुर्घटना में मौत हुई है।

विधायक से फोन पर बात नहीं करने वाले ट्रैफिक पुलिस पदाधिकारी निलंबित

जमशेदपुर : ट्रैफिक जांच के दौरान कथित अवैध वसूली और विधायक संजीव सरदार से फोन पर बात नहीं करने वाले एएसआई जयकुमार दास को निलंबित कर दिया गया है। घटना टाटानागर रेलवे स्टेशन के समीप का है, जहां जुगसलाई ट्रैफिक थाना के एएसआई जय कुमार दास पर एक बाइक चालक से 10 हजार रुपये मांगने का आरोप लगा था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि सभी वैध दस्तावेज दिखाने के बावजूद उन्हें काफी देर तक रोके रखा गया और बाद में जुमार्ने के नाम पर बड़ी रकम मांगी गई।मामले ने उस समय तूल पकड़ लिया जब संजीव सरदार से फोन पर बात कराने से भी एएसआई ने इनकार कर दिया।

लोयोला कोल्टस ने रूरल ग्रीन को पांच विकेट से हराया

जमशेदपुर : जेएससीए बी डिवीजन टी 20 लीग के मुकाबले में लोयोला कॉल्ट्स ने रूरल ग्रीन को पांच विकेट से मात दी। टॉस जीतकर रूरल ग्रीन ने बल्लेबाजी चुनी और 17।3 ओवर में सभी विकेट खोकर 97 रनों पर ऑलआउट हो गई। सबहम नाग ने 34 गेंदों में 25 और रेवनाथ राजक ने 19 रन बनाए, जबकि एटुल कुमार राय (4-0-19-3) और प्रभाकर राज (2।3-0-27-3) ने शानदार गेंदबाजी की और विपक्षी टीम को दबाव में रखा।लक्ष्य का पीछा करते हुए लोयोला कॉल्ट्स ने 13।4 ओवर में 99/5 पर लक्ष्य हासिल कर लिया। रॉबिन कुमार सिंह ने तेज पारी खेलते हुए 11 गेंदों में 29 रन बनाए जिनमें दो चौके और तीन सिक्स शामिल थे, वहीं सुभदर्शी ने नाबाद 28 रन दिए।

साहिबगंज हत्या मामला: दिल्ली से दबोचा गया आरोपी, जंगल में छिपा रखा था शव

संवाददाता

साहिबगंज : साहिबगंज जिले में हुए अपहरण और हत्या मामले को दिल्ली क्राइम ब्रांच ने सुलझा लिया है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी हत्या के बाद दिल्ली में छिपकर रह रहा था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुखदेव मुर्मू उर्फ ताला के रूप में हुई है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने उसे यमुना बाजार इलाके से दबोचा और बाद में झारखंड पुलिस को ट्रांजिट रिमांड पर सौंप दिया।

पुलिस के मुताबिक साहिबगंज के बोरियो थाना क्षेत्र में 21 मई को चंपई मरांडी के लापता होने का मामला दर्ज हुआ था। जांच के दौरान करीब 10 दिन बाद जंगल से उसका शव बरामद हुआ, जिसके बाद मामले में हत्या की धाराएं जोड़ दी गईं। जांच में सामने आया कि हत्या से पहले मृतक आरोपियों के साथ बैठकर शराब पी रहा था। इसी दौरान मामूली बात को लेकर विवाद शुरू हुआ और आरोपियों ने मिलकर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद शव को जंगल में छिपा दिया गया ताकि सबूत मिटाए जा सकें।

दिल्ली क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि हत्या में शामिल आरोपी सुखदेव मुर्मू दिल्ली के यमुना बाजार इलाके में छिपा हुआ है। इसके बाद इंस्पेक्टर विनय कुमार के नेतृत्व में टीम ने हनुमान मंदिर के पास जाल बिछाया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि 12 मई को वह अपने साथियों बाबूजी मरांडी, मंगल टुडू और मृतक चंपई मरांडी के साथ शराब पी रहा था। इसी दौरान झगड़ा बढ़ने पर उसके साथियों ने चंपई की हत्या कर दी, जिसमें उसका भी सहयोग था।

डीसीपी क्राइम ब्रांच संजीव कुमार यादव ने बताया कि क्राइम ब्रांच और झारखंड पुलिस के बीच लगातार समन्वय बनाकर कार्रवाई की गई। आरोपी हत्या के बाद फरार होकर दिल्ली में छिपा हुआ था, लेकिन तकनीकी निगरानी और मुखबिर की सूचना के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

जावेद हुसैन बने खूंटी के नये डीसी

बिनय मिश्रा

भारतीय प्रशासनिक सेवा 2019 बैच के आईएएस अधिकारी एवं पलामू के डीडीसी तथा नगर आयुक्त जावेद हुसैन को खूंटी का नया उपायुक्त बनाया गया है श्री हुसैन इससे पूर्व प्रशिक्षण के दौरान पश्चिम सिंहभूम जिला चाईबासा में भी पदस्थापित रहे चुके हैं। इसके पश्चात वे रामगढ़ के अनुमंडल पदाधिकारी भी रहे तथा वर्तमान समय में वे पलामू के नगर आयुक्त बने तथा बाद में वे पलामू उपविकास आयुक्त भी बनाए गए। श्री हुसैन की बेहतर कार्य प्रणाली और विकास कार्यों के प्रति गंभीरता और कटिबद्धता का ही यह परिणाम है कि पलामू में इनकी पदस्थापना काल में विकास कार्य धरातल पर बेहतर ढंग से दिखाई पड़ा।श्री हुसैन की अद्भुत मानवता संवेदना का साक्षी हूं मैं जावेद हुसैन जब प्रशिक्षण के दौरान चक्रधरपुर अंचल में अंचल पदाधिकारी के रूप में पदस्थापित थे तो एक वृद्ध महिला को भोजन के लिए व्याकुल देखा तब उन्होंने तत्क्षण उस महिला के लिए प्रखंड परिसर में अवस्थित मुख्यमंत्री दाल भात योजना केंद्र भेजकर भोजन की व्यवस्था कराया जो निरंतर समय तक जारी रहा और उसका भुगतान उन्होंने अपने जेब से किया। ऐसे आईएएस अधिकारी से राज्य और जिला दोनों गौरवान्वित होते हैं।

बिजली गुल से परेशान दुमका के लोग, किया सड़क जाम

संवाददाता

दुमका : दुमका लोकसभा के झारखंड मुक्ति मोर्चा के सांसद नलिन सोरेन के मोहल्ले वासियों ने आज बिजली की कुव्यवस्था से त्रस्त आकर सड़क जाम कर दिया। इसी दौरान सांसद नलिन सोरेन उस ओर से निकले और जाम में फंस गए। हालांकि वे तुरंत अपनी गाड़ी से उतरे और लोगों की समस्या सुनी। साथ ही मौके पर से ही विभागीय अधिकारियों को फोन कर यह निर्देश दिया कि जल्द से जल्द यहां की बिजली व्यवस्था दुरुस्त करें।

रेलवे स्टेशन जाने वाली सड़क पर लगा जाम

पिछले कुछ दिनों से दुमका में भीषण गर्मी पड़ रही है और दूसरी ओर विद्युत व्यवस्था लचर हो गई है। शहर के कई इलाकों में तो कुछ ही घंटे बिजली रहती है। ऐसे में आज रविवार को दुमका के संथाल परगना महाविद्यालय से रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाली सड़क को लोगों ने जाम कर दिया। लोगों ने राज्य सरकार और बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

लोगों का कहना था कि बिजली की बदहाली की वजह से उनका जीना मुश्किल हो गया है। बिजली नहीं रहने से पानी की भी समस्या उत्पन्न हो गई है। बच्चों की

पढ़ाई लिखाई बाधित हो रही है। कुल मिलाकर घर का सारा सिस्टम अस्त व्यस्त हो चुका है।

यहां खास बात यह भी है कि आज जिस जगह पर सड़क जाम किया गया उस पूरे इलाके में छात्र-छात्राओं के दर्जनों लॉज हैं। जिसमें दूर-दराज से आए सैकड़ों स्टूडेंटस पढ़ाई करते हैं। बिजली की आंख मिचौली से उन्हें भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना था कि इसी मोहल्ले में दुमका सांसद नलिन सोरेन का आवास है। इसके बावजूद बिजली की लचर व्यवस्था से हम लोगों को जूझना पड़ रहा है। कोई देखने-समझने वाला नहीं है।

जाम में फंसे दुमका सांसद

यह संयोग ही था कि लोगों ने बिजली को लेकर सड़क जाम किया था और उसी रास्ते दुमका के सांसद नलिन सोरेन अपने वाहन से जा रहे थे, वे भी जाम में फंस गए। हालांकि उन्होंने तुरंत अपनी गाड़ी से उतरकर लोगों से बातचीत की और तत्काल फोन से बिजली विभाग के अधिकारियों को समस्या के समाधान का निर्देश दिया।

क्या कहते हैं सांसद

इस पूरे मामले पर दुमका सांसद नलिन सोरेन ने कहा कि यहीं मेरा भी घर है। लोगों ने जो बिजली की समस्या बताई है, उसके समाधान की दिशा में उन्होंने तत्काल पहल की है और जल्द व्यवस्था में सुधार लाया जाएगा।

समस्या निवारण करना ही हमारा मुख्य संकल्प : नगर अध्यक्ष

धनबाद : चिरकुंडा चपड़ाडंगाल में नगर अध्यक्ष सुनीता देवी ने रविवार की शाम को आम लोगों की समस्याएं सुनी। लोगों ने पेयजल, सफाई, सड़क और नाली जैसी बुनियादी समस्याओं से अवगत कराया। अध्यक्ष ने कहा कि जनता की हर छोटी-बड़ी समस्या का समाधान करना और अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना ही हमारी प्राथमिकता है। स्थानीय लोगों को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। नगर परिषद की टीम के माध्यम से समस्याओं का समाधान किया जाएगा। मौके पर विनोद कुमार शर्मा, विनोद कुमार,शंकर साव, विवेक कुमार,मदन शर्मा, रेखा देवी प्रवीण यादव,सचीन बाग, बबलू माली, प्रवीण सेनापति आदि थे।

हमारा लक्ष्य है कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की समस्या का समाधान हो : केशव

संवाददाता

साहिबगंज : प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कार्यालय साहिबगंज में शिकायत निवारण कार्य दिवसऱ कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।यह कार्यक्रम प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचि मुन्नम संजय के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।जिसका नेतृत्व जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने किया।कार्यक्रम के दौरान जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए दर्जनों कार्यकताओं एवं आमजनों ने अपनी समस्याओं एवं सुझावों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।संध्या 4:00 बजे तक कांग्रेस कार्यालय में प्राप्त सभी आवेदनों को संकलित कर अग्रिम एवं त्वरित कार्रवाई हेतु प्रदेश कांग्रेस कमिटी को अग्रसरित कर दिया गया है।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से जनता की आवाज रही है।प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निर्देश पर आज का यह शिकायत निवारण दिवस उसी परंपरा को आगे बढ़ाने का एक प्रयास है।हमारा लक्ष्य है कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की समस्या का समाधान हो।श्री मुन्नम संजय के मार्गदर्शन में साहिबगंज जिला कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता जनता के सुख-दुख में साथ खड़ा है।आज प्राप्त सभी आवेदनों पर प्रदेश नेतृत्व गंभीरता से कार्रवाई करेगा और पीड़ितों को न्याय दिलाने तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा।कार्यकताओं का भरोसा ही कांग्रेस की ताकत है।कार्यक्रम में प्रदेश पदाधिकारी अनुकूल मिश्रा,जिला उपाध्यक्ष मो कलीमुद्दीन बासुकीनाथ यादव, उमेश पांडे, जिला महासचिव सरफराज आलम,मो सलाउद्दीन, जिला सचिव हरिचरण पासवान, मनीष प्रताप, सेवादल जिला अध्यक्ष अल्ताफ हुसैन,न ागर अध्यक्ष सतीश पासवान, बोरिया प्रखंड अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह, वार्ड अध्यक्ष मजहर खान, अविनाश कुमार ओझा, विकास चौधरी सहित दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।